दैनिक पंचाग
सूर्योदयः 07:03 ए एम
सूर्यास्तः 05:31 पी एम
तिथिः प्रतिपदा - 02:05 पी एम तक
नक्षत्रः रोहिणी - 01:31 पी एम तक
योगः सिद्ध - 10:04 पी एम तक
करणः कौलव - 02:05 पी एम तक
द्वितीय करणः तैतिल - 01:56 ए एम
पक्षः कृष्ण पक्ष
वारः मंगलवार

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition
www.jharkhanddekho.com • वर्ष 3 • अंक 324 • पृष्ठ 8 • दुमका, मंगलवार 28 नवंबर 2023 • मूल्य 2 रुपये
Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

पीएम मोदी ने तिरुपति मंदिर में किए दर्शन

140 करोड़ भारतीयों के स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की

नई दिल्ली।/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तिरुमला स्थित भगवान वेंकटेश्वर के प्रसिद्ध मंदिर में सोमवार को दर्शन किए और सभी भारतीयों के अच्छे स्वास्थ्य, कल्याण एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की. प्रधानमंत्री सुबह करीब आठ बजे मंदिर पहुंचे. श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के दर्शन की फोटोज को पीएम मोदी रके ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर भी किया गया है, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं. पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''तिरुमला में श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में 140 करोड़ भारतीयों के अच्छे स्वास्थ्य, कल्याण और समृद्धि के लिए प्रार्थना की.'' बता दें कि प्रधानमंत्री रविवार रात तिरुमला पहुंचे थे. प्रधानमंत्री शाम सात बजकर 40 मिनट पर तिरुपति के निकट रेणिगुंटा हवाई अड्डे पर उतरे. इस दौरान आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस अब्दुल नजीर और मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री मोदी की अगवानी की थी. पीएम 3 दिन के लिए तेलंगाना के दौरे पर हैं.

तिरुमाला में पीएम मोदी के दौरे के मद्देनजर कड़ी सुरक्षा की गई. रेनीगुंटा एयरपोर्ट से लेकर तिरुमाला मंदिर वाले रास्तों पर भारी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया था. इसके अलावा पीएम की सुरक्षा के मद्देनजर रास्तों पर उउळश कैमरे भी लगाए गए थे और गाड़ियों की आवाजाही पर चेकिंग बढ़ा दी गई . वहीं, जानकारी के मुताबिक, मंदिर में दर्शन करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी तेलंगाना के लिए रवाना होंगे.

दर्दनाक : एक ही परिवार के पांच लोगों ने फांसी लगाकर किया सुसाइड

तुमकुरु/एजेंसी।

प्रारंभिक जांच से पता चला है कि अत्यधिक ब्याज दरों और उत्पीडन् के कारण कर्नाटक के तुमकुरु जिले में एक ही परिवार के पांच लोगों ने आत्महत्या की घटना हुई, पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह घटना तुमकुरु शहर में रविवार रात सामने आई और पुलिस ने पांच आरोपियों को हिरासत में ले लिया है और उनसे पूछताछ कर रही है। जांच में पता चला कि परिवार पर आरोपी का 1.5 लाख रुपए बकाया था। तुमकुरु शहर के सदाशिवनगर इलाके में कबाब विक्रेता गरीब साब (36), उनकी पत्नी सुमैया (32), बेटी हजीरा (14), बेटे मोहम्मद शभान (10) और मोहम्मद मुनीर (8) के शव उनके आवास पर लटके हुए पाए गए। गरीब साब ने अपनी जिंदगी खत्म करने से 5.22 मिनट पहले दो पन्नों का डेथ नोट छोड़ा था और एक वीडियो भी बनाया था। वीडियो में, उन्होंने बताया कि कैसे उसी इमारत के भूतल में रहने वाले व्यक्ति और उसके परिवार के सदस्यों ने उनके परिवार को प्रताड़ित किया और उन्हें चरम कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आरोपियों को सजा दिलाने के लिए गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर से विशेष अनुरोध किया। परमेश्वर तुमकुरु जिले के रहने वाले हैं। गरीब साब ने मरने से पहले वीडियो में कहा था कि, ग्राउंड फ्लोर पर रहने वाला कलंदर राक्षस है और वह उसक पत्नी और बच्चों पर अत्याचार करता है और उनके साथ मारपीट करता है। कलंदर अभद्र भाषा का भी प्रयोग करता है। उन्होंने वीडियो में कहा, मेरी पत्नी और बच्चे डरते हैं कि अगर मैं मर गया, तो उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। मेरी पत्नी और बच्चे भी मेरे साथ आत्महत्या कर रहे हैं।

लुगुबुरु में चाई चंपा पार्क में लुगु बाबा और लुगु आयो की प्रतिमा का मुख्यमंत्री ने अनावरण किया

आदिवासी प्रकृति पूजक हैं, पहाड़-पर्वत को हरा भरा रखते आएं हैं : हेमंत सोरेन

मुख्यमंत्री ने लुगुबुरू पहाड़ स्थित पुनाय थान में पूजा अर्चना (बोंगा बुरु) कर राज्य की खुशहाली की कामना की।

रांची/संवाददाता।

जब तक मैं हूं किसी भी परिस्थिति में आदिवासी संतालियों के धार्मिक धरोहर लुगु पहाड़ पर दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित छवऋ्ष ढअलअफ ल ऊएछ ढवटढएऊ रळडफ्अऋ्ष ढफ्हखएउळ को स्थापित नहीं होने दिया जाएगा। हर हाल में आदिवासी समुदाय की आस्था और विश्वास का धार्मिक धरोहर लुगू पहाड़ को संरक्षित करने का काम होगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कही। मुख्यमंत्री आदिवासी समुदाय के आस्था और विश्वास का धार्मिक धरोहर लुगु पहाड़ में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सरना धर्म महासम्मेलन के समापन समारोह में बतौर मुख्य रूप अतिथि बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा लुगुबुरु आदिकाल से ही पूर्जवों द्वारा संचालित होता आ रहा है।

समय के हिसाब से जिस प्रकार समाज जागरुक हो रहा है, उसी तरह आदिवासी सरना धर्म को भी आगे बढ़ना चाहिए।

- **लुगुबुरू के इतिहास को संजो कर रखना है**

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी समाज प्रकृति के पूजक हैं। पहाड़, पर्वत को वे हरा-भरा रखते आए हैं। हम आदिवासी संताल गरीब जरूर है, लेकिन आज तक किसी के धर्म या किसी की कोई भी चीज हो हम गलत नजर से नहीं देखते। हम शांति और सद्भाव से हमेशा रहना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा लुगुबुरू के इतिहास को संजो कर रखना है। अगर ऐसा नहीं होगा तो आने वाली पीढ़ी इस सम्बंध में कैसे जान सकेगी। इसपर कार्य होना चाहिए। हमें अपने धर्म के प्रति जागरूक रहना है और अपने कर्तव्य को निभाना है। हर समाज के लिए शिक्षा जरूरी है। पहले तीर धनुष से लड़ाई लड़ी जाती थी, अब बुद्धि से लड़ाई होती है। इसलिए शिक्षा का महत्व है।

इस अवसर पर मंत्री चंपाई सोरेन, मंत्री बेबी देवी, पूर्व विधायक सह राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त योगेन्द्र महतो, लुगुबुरु घंटाबाड़ी के अध्यक्ष बबुली सोरेन, उपाध्यक्ष बहाराम हांसदा, सचिव लोबिन मुर्मू, उपसचिव मिथिलेश किस्कू, उपायुक्त बोकारो, आरक्षी अधीक्षक बोकारो एवं हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

गुजरातः आसमान से आफत बनकर बरसी बिजली, चपेट में आने से 20 लोगों की मौत

अहमदाबाद/एजेंसी।

गुजरात में आसमानी बिजली का कहर देखने को मिला है। जगह-जगह बिजली गिरने की वजह से राज्य में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई है। सोमवार को एक वरिष्ठ अधिकारी ने राज्य में हुए नुकसान की जानकारी देते हुए यह बताया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने खराब मौसम की वजह से गुजरात में हुई मौतों पर दुख जाहिर करते हुए कहा कि स्थानीय प्रशासन बचाव कार्य में जुटा हुआ है।

स्टेट इमर्जेंसी ऑपरेशन सेंटर के एक अधिकारी के मुताबिक गुजरात के अलग-अलग हिस्सों में 20 लोगों की अपनी जान गंवानी पड़ी है। इन सभी लोगों की मौत बेमौसम बरसात में बिजली गिरने से हुई है। चार लोगों की मौत दाहोद जिले में हुई तो तीन को भरूच में अपनी जान गंवानी पड़ी। तापी में दो, अहमदाबाद, अमरेली, बनासकांठा, बोटाद, खेड़ा, मेहसाणा, पंचमहल, साबरकांठा, सूरत, सुरेंद्रनगर और देवभूमि द्वारका में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार रात सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'गुजरात के कई शहरों में खराब मौसम और बिजली गिरने की वजह से कई लोगों की मौत से दुखी हूं। इस त्रासदी में अपने प्रियजनों को खोने वाले लोगों के प्रति मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

Dipendra Singh
9335448671

R.K. Choudhary
8384831556

RK marbles & tiles

मार्बल & ग्रेनाइट

राजस्थान वाले

रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

संक्षिप्त समाचार

विधायक ने पत्रकार के सादीपुर स्थित घर पहुंचकर दी शोकाकुल परिवार को सांत्वना

दुमका/झारखंड देखो। शिकारीपाड़ा विधानसभा के विधायक नलिन सोरेन ने सोमवार को पत्रकार गौतम चटर्जी के सादीपुर स्थित घर पहुंचकर शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी।उनके साथ सिद्धार्थ लाहा, झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष बाबुजन हेम्ब्रम,सुभाष मुर्मू,सुभजित चक्रवर्ती मौजूद थे।मौके पर गौतम के भाई उत्तम कुमार चटर्जी,बहन भारती चट्टोपाध्याय,भांजा कौशिक अधिकारी,अनुपम मुखर्जी एवं कुंदन अधिकारी मौजूद थे।ज्ञात हो कि बीते शनिवार 25 नवंबर को पत्रकार गौतम चटर्जी की माता माया चटर्जी का निधन हो गया था।विधायक ने बताया हैं कि नब्बे के दशक में जब प्रथम बार विधायक बना था उसी समय से इस घर से उनका रिश्ता रहा हैं। चटर्जी की दबंग माता माया चटर्जी एवं पिता पुत्रवत प्यार करते थे ।आज उनकी अनुपस्थिति खल रही हैं।इससे पूर्व बीडीओ शिबाजी भगत, मयूराक्षी ग्रामीण डिग्री कालेज रानीश्वर के प्राचार्य डॉ अब्दुल रईस खान एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रानीश्वर के चिकित्सक डॉ हर प्रसाद मुखर्जी एवं शयाम राय सादीपुर पहुंचकर शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी हैं।

छात्र छात्राओं एवं प्राध्यापकों को कराया संविधान की प्रस्तावना का पाठ

दुमका/झारखंड देखो। संत जेवियर्स कॉलेज महारो के राजनीति विज्ञान विभाग,एआईसीयूएफ एवं एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में संविधान दिवस मनाया गया।इस अवसर पर सचिव,क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार,दुमका जुगनू मिंज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे । मुख्य अतिथि जुगनू मिंज एवं छात्रा पिंकी प्रिया ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ दीपक कोठरीवाल ने मौके पर उपस्थित छात्र छात्राओं एवं प्राध्यापकों को संविधान की प्रस्तावना का पाठ कराया और शपथ दिलायी। इस अवसर पर कॉलेज के छात्र छात्राओं ने संविधान के विषय में भाषण,कविता,गीत एवं नृत्य की प्रस्तुति की।कॉलेज के प्राचार्य डॉ स्टीफन राज ने ऐसे कार्यक्रम के आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की।अंग्रेजी प्रतिष्ठा की छात्रा स्वीटी कुमारी एवं छात्र परिषद के अध्यक्ष विकास टुडू ने मंच संचालन किया। बी सी ए की छात्रा मुस्कान कुमारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

जेएसएलपीएस द्वारा महिला सखी दीदियों को 18 लाख का चेक दिया

पालोजोरी/झारखंड देखो। ग्राम पंचायत दुधानी के ईदगाह मैदान में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन फीता काट कर प्रखंड विकास पदाधिकारी आमिर हमजा मुखिया नगमा बैगम द्वारा किया गया है। साथ ही प्रखंड अध्यक्ष बीस सूत्री बलराम मंडल द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का सुभारंभ किया गया है मौके पर प्रखंड कल्याण पदाधिकारी/प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी बीपीओ हेलेना हेंब्रम आदि मौजूद थे। सभी पदाधिकारी के द्वारा अपने अपने विभाग के बारे जानकारी ग्रामीणों को संबोधित कर उपलब्ध कराई गई है।1 से 5 साल के तीन बच्चों का आधार ऑन द स्पॉट बनाया गया है। कुल 21 बिरसा संवर्धन सिंचाई कूप निर्माण योजना को स्वीकृत कर लाभुकों को स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया है। केसीसी ऋण की स्वीकृति और चेक वितरण किया गया। साइकिल हेतु चेक वितरण किया गया। स्कूल छात्रों को बैग वितरण और कापी वितरण किया गया है। आन द स्पॉट 5 पेंशन स्वीकृत किया गया है। जेएसएलपीएस द्वारा महिला सखी दीदियों को 18 लाख का चेक और फूल्हो जन्हो के तहत 25 हजार करके 2 लाभुकों को ऋण वितरण किया गया है। बाल विकास परियोजना विभाग द्वारा गोद भराई एवं आन्नप्रशन का कार्य किया गया है।

अनियंत्रित होकर पलटी 16 यात्रियों से भरी टेम्पू

घटना में 5 यात्री गंभीर रूप से घायल,6 आंशिक रूप से चोटिल

दुमका/झारखंड देखो।

गोपीकांदर थाना क्षेत्र के गोपीकांदर-पाकुड़िया मार्ग पर दलदली पुल के पास सोमवार को टेम्पू (आंटो रिक्सा) पलटने से आधा दर्जन यात्री घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक थाना क्षेत्र के पर्वतपुर गांव से करीब 16 लोग शादी में शामिल होने टेम्पू से काठीकुंड थाना क्षेत्र मधुबन गांव जा रहे थे, मधुबन जाने के दौरान दलदली पुल के समीप

टेम्पू का पीछे वाला पहिया खुल कर फेंका गया , जिससे टेम्पू अंनयत्रित होकर पलट गया.घटना में 5 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए हैं वहीं 6 यात्री आंशिक रूप से घायल बताए जा रहे है। घटना की सूचना मिलने पर गोपीकांदर थाना की पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीकांदर लाया। जहां पर डां पंचम लाल यादव के द्वारा प्रथमिक उपचार कर गंभीर रूप से घायल चालक संतोष कुमार मिर्धा, संतोषिनी मरांडी,छोटा मंडवारी हांसदा,लोकाश टुडू और निकोती हांसदा को बेहतर इलाज हेतु फुलो-झानों मेडिकल कॉलेज अस्पताल दुमका रेफर कर दिया। वहीं आशिक रूप से घायल 6 लोगों को उपचार कर घर जाने की सलाह दी। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त टेम्पू को जब्त कर गोपीकांदर थाना परिसर में लाकर रखा हैं। घायलों में चालाक संतोष कुमार मिर्धा महेशपुर थाना क्षेत्र के खिजुरडंगाल गांव के रहने वाले बताए जा रहे है,बाकी सभी घायल थाना क्षेत्र के पर्वतपुर गांव के हैं।

शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के बादल पाड़ा एवं लुटिया पहाड़ मौजा में संचालित कोयला की एक दर्जन अवैध खदानों को किया ध्वस्त

दुमका/झारखंड देखो।

सोमवार को जिला प्रशासन द्वारा शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र में संचालित कोयला की एक दर्जन अवैध खदानों को जेशीबी से ध्वस्त कर दिया गया।थाना क्षेत्र के बादल पाड़ा एवं लुटिया पहाड़ मौजा में संचालित कोयला की अवैध सुरंग नुमा खदानों में भारतीय प्रशासनिक सेवा की प्रि-शक्षु अधिकारी सह अपर समाहर्ता प्रांजल डांडा के नेतृत्व में जिला खनन टास्क फोर्स की टीम द्वारा डोजरिंग का कार्य किया गया। जिसमें लगभग 12 खदानों में जेसीबी मशीन द्वारा मिट्टी भराई का कार्य किया गया। बताते चलें कि केवल इसी दो मौजा में लगभग 100 से अधिक नयी पुरानी कोयला की अवैध खदानें संचालित हैं।मिट्टी भरने का कार्य भी सबसे अधिक नयी बन रही खदानों में जेसीबी मशीन से किया गया।

मामले में अनुमंडल पदाधिकारी कौशल किशोर ने बताया कि जिला प्रशासन को लगातार अवैध उत्खनन की सूचना मिल रही थी।उसी के तहत लगभग एक दर्जन नयी पुरानी खदानों में मिट्टी भराई का काम किया गया हैयह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।टीम में अनुमंडल पदाधिकारी कौशल किशोर,अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नूर मुस्तफा,अंचल अधिकारी कपिल देव ठाकुर, शिकारीपाड़ा वनपाल अनिल कि स्कू, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी वकार हुसैन एवं जैप के जवान उपस्थित थे।

जन शिक्षण संस्थान विकास भारती के प्रशिक्षण केंद्रों में संविधान दिवस मनाया

दुमका/झारखंड देखो। जन शिक्षण संस्थान विकास भारती दुमका के प्रशिक्षण केंद्रों में संविधान दिवस मनाया गया। जिसमें शपथ, भाषण एवं क्विज प्रतियोगिता आयोजित किया गया। जन शिक्षण संस्थान के प्रभारी निदेशक अन्नू के द्वारा संविधान दिवस के बारे में काफी महत्वपूर्ण बातें बताई गई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी व्यक्तियों को शपथ दिलाया गया एवं संवैधानिक मूल्यों, कर्तव्यों के साथ कानूनी अधिकारों के बारे में जानकारी दिया गया। श्रीमती अन्नू ने बताया कि हमारे देश का संविधान हमारे जन्म के पूर्व मां के गर्भ से मृत्यु तक हमें हर प्रकार की कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है। कोई भी भारतीय नागरिक मां के गर्भ में पल रहे नवजात का लिंग जांच नहीं करवा सकता और ना ही अपने मन से गर्भपात करा सकता हैं। यह सभी अधिकार हमें हमारे जन्म के पूर्व से ही मिलने लगता है। क्योंकि यह सभी अधिकार हमारे भारतीय संविधान में निहित है। संविधान के कानून केवल मनुष्यों पर ही सीमित नहीं है। जानवरों, पशु - पक्षियों, पेड़-पौधों सभी को अपने-अपने अधिकार हमारे संविधान से प्राप्त है। श्रीमती अन्नू ने संविधान की बारीकियों से सभी को अवगत कराया गया। जन शिक्षण संस्थान के कई प्रशिक्षणार्थियों ने डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जीवनी भाषण के रूप में प्रस्तुत किया एवं उनके संघर्षों को याद किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जन शिक्षण संस्थान विकास भारतीय दुमका के प्रभारी निदेशक श्रीमती अन्नू, कार्यक्रम पदाधिकारी दीपक कुमार सिंह सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी दर्शन हेंब्रम (आजीविका), अकाउंटेंट प्रदीप कुमार शर्मा, एम.आई.एस. श्रीराम कुशवाहा, आनंद कुमार, सविता किस्कू, राजकुमार हेम्ब्रम, राजश्री देवी, मधु देवी, नूरी खातून, सच्चीदा कुमारी के साथ सैकड़ो प्रशिक्षणार्थियों ने अहम भूमिका निभाई।

भाजपा जिलाध्यक्ष एवं जिप सदस्य ने सादीपुर गांव पहुंचकर पत्रकार के परिजनों को बंधाया ढांढस

दुमका/झारखंड देखो।

भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष परितोष सोरेन एवं जिला परिषद सदस्य विमान सिंह ने आज सोमवार को कार्यकर्ताओं के साथ सादीपुर स्थित पत्रक-ार गौतम चटर्जी के निजी आवास पर पहुंचकर उनकी माताजी माया चटर्जी के निधन को लेकर परिजनों को ढांढस बंधाया,एवं दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की।ज्ञात हो कि 25 नवंबर शनिवार को उनकी माता माया चटर्जी का देहांत हो गया था । सोरेन के साथ मंडल अध्यक्ष रघुनाथ दत्त,कार्तिक घोष,सुकुमार दास,मनोज मंडल, सौमेन घोष,सुमन घोष,कामाक्षा सिंह, कृष्ण पाल मौजूद थे।

धधकिया स्थित सतन आश्रम में मनाया देव दीपावली

दुमका/झारखंड देखो।

कार्तिक पूर्णिमा या त्रिपुरारी पूर्णिमा के अवसर पर सतन आश्रम में देव दीपावली मनाया गया। आश्रम स्तिथ ₹जगदीश कुंड₹ के घाट को ५५१ दीपों सजाया गया। हिन्दू धर्म में देव दीपावली का बड़ा धार्मिक महत्व है।देव दीपावली मुख्यतः काशी (वाराणसी) में जोश और उल्लाश के साथ मनाया जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार आज के दिन देवादि देव महादेव ने त्रिपुराशुर, जो पृथिवी में त्रास मचाकर रखा था, उसका निधन किये थें। उसके बाद सारे देवताओं ने काशी के घाट पर आ कर दिप प्रज्वलन किए। उसीके साथ स्वर्ग, पृथिवी और पताल में ×खुशी का लहर फैला गया। देव दीपावली तीर्थयात्रियों द्वारा गंगा के

संबंध में दीवाली के पन्द्रहवें दिन को वाराणसी में हर साल मनाई जाती है। चंद्रमा को पूरा ध्यान में रखते हुए यह कार्तिक पूर्णिमा पर कार्तिक के महीने में आयोजित की जाती है। यह महान तुरही और पड़ा साथ लोगों द्वारा मनाई जाती है। हिंदू धर्म में देव दीपावली देवताओं इस भव्य उदाहरण पर पृथ्वी पर उतरना के विश्वास में मनाई जाती है। ,सारे भगवान इस दिन एक साथ फिर से शामिल हुए। देवास उत्साह में अपने आगमन का जश्न मनाया और इस तरह देवदिवाली अस्तित्व में आया था।त्रिपुरारी पूर्णिमा श्रीमद् भागवत के 7 वें स्खन्ध कहानी बताता। ता-रक और विधुन्मालि के मदद से तीन तत्व का निर्माण किया जो सोने, चांदी और लोहे की।राक्षसों ने स्थानों को नष्ट करने, उड़ान भरी। देवास तो राहत के लिए भगवान शिव का दरवाजा खटखटाया। भगवान शिव का निवास -कैलाश को नष्ट करने के लिए तिन राक्षसों को उकसाया। एक नाराज शिव तो तीन तत्व नष्ट कर दिये। इसके बाद वह त्रिपुरारी के रूप में जाना जाने लगा। देवों के देव दिवाली आनन्द के साथ मनाया जता है।इस उत्सब में बंगाल तथा पंजाब से आये भक्त गण, फिनलैंड से आये अतिथि तथा गाओं के भक्त गण बढ़चढ़ कर भाग लिया।

विधिक सेवा सशक्तिकरण शिविर का आयोजन , शिविर में परिसम्पत्तियों का किया वितरण

पाकुड़/झारखंड देखो।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ एवं जिला प्रशासन के तत्वाधान में सरकार के द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं झालसा रांची के द्वारा शुरू की गई योजनाओं के अंतर्गत सभी वर्गों के लोगों या महिला विधवा बच्चे बुजुर्ग दिव्यांग अनुसूचित जनजाति अनुसूचित जनजाति पीड़ित एवं असहाय इत्यादि को सशक्त बनाने को लेकर विधिक सेवा सशक्तिकरण शिविर का अमड़ापाड़ा प्रखंड के सभागार में आयोजन किया गया। इस शिविर का अध्यक्षता न्यायिक दंडाधिकारी कमल प्रकाश, प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमार देवेश द्विवेदी, पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी गोपाल कृष्ण यादव, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, पीएलवी के मोइनुद्दीन अंसारी के द्वारा विधिवत्त दीप जला कर इस शिविर का शुभारंभ। जेएसएलपीएस के द्वारा परंपरागत रूप से अतिथि का स्वागत किया गया एवं बुके देकर सम्मानित भी किया गया। न्यायिक दंडाधिकारी कमल प्रकाश के द्वारा उपस्थित लोगों को बाल विवाह, बाल श्रम, डायन प्रथा दहेज प्रथा सहित अन्य के बारे में लोगों को जानकारी दी गई उन्होंने बताया कि महिलाएं और बच्चे अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, सामूहिक आपदा, हिंसा, बाढ़, सूखा, भूकंप, दिव्यांगजन, हिरासत में व्यक्ति, मानव तस्करी के बारे में लोगों को विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान ग्रामीणों को महिला सशक्तिकरण, यौन उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, बाल तस्करी, बाल श्रम के साथ ही पोक्सो अधिनियम से संबंधित के जानकारी दी गई। बताया गया कि इस प्रकार गैरकानूनी कार्य करता करता हो तो इसकी सूचना जिला विधिक सेवा प्राधिकार को दे उसे पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान प्रखंड के गरीब बेसहारा महिला पुरुषों के बीच कंबल का वितरण किया गया आपूर्ति विभाग के द्वारा सोना सावरेन अंतर्गत धोती, लूंगी, साड़ी का वितरण किया गया। सरकार द्वारा चलाए जा रहे हैं बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के अंतर्गत निशा कुमारी और निधि कुमारी को स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरण किया गया। साथ ही बाल विकास परियोजना के द्वारा गर्भवती महिलाओं को गोद भराई और अन्नप्राशन भी बच्चों को कराया गया। मौके के अमड़ापाड़ा प्रखंड के दसों पंचायत के महिला एवं पुरुष मौजूद थे. वही हिरणपुर में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा सोमवार को घाघरजानि स्थित प्रखंड कार्यालय सभागार में विधिक सेवा सशक्तिकरण शिविर आयोजित हुई। जिसमें न्यायाधीश अजय कुमार गुड़िया, सहायक समाहर्ता सह बीडीओ कृष्णकांत कनवाड़िया मुख्य रूप से उपस्थित थे। न्यायाधीश ने बाल विवाह, दहेज प्रथा, डायन प्रथा आदि कुरीतियों को लेकर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज मे फैले ऐसे कुरीतियों को समाप्त करना आवश्यक है। इसको लेकर सबको आगे आना होगा। इसको लेकर निशुल्क कानूनी सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि सरकारी योजना की लाभ सबको मिले। इसको लेकर पहल करना आवश्यक है। सरकारी योजनाओं की लाभ सभी को मिलना जरूरी है। सभी को कानूनी जानकारी उपलब्ध कराना भी आवश्यक है। वही सहायक समाहर्ता ने कहा कि कोई भी व्यक्ति बीमार पड़ने पर झाड़फूंक न कराकर निकटवर्ती स्वास्थ्य केंद्रों में इलाज कराना आवश्यक है। झाड़फूंक से लोगो की अकाल मृत्यु हो रही है। सरकार द्वारा स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से निशुल्क चिकित्सा व दवा भी उपलब्ध कराई जा रही है। आपकी योजना , आपकी सरकार , आपके द्वार कार्यक्रम के तहत सभी पंचायतो में सरकार के द्वारा शिविर आयोजित की जा रही है। जिससे कि सरकारी लाभ से वंचित लोगो को सहयोग मिल सके। सरकार के जनहित की योजनाओ की जानकारी आमलोगों को होना आवश्यक है। जेएसएलपीएस दीदियों से अपील करते हुए कहा कि सभी गाँव गाँव जाकर सरकारी योजनाओं को लेकर लोगो को जागरूक करें। सभी को शिविर से जोड़कर इसका लाभ दिलाये। इस अवसर पर पैनल अधिवक्ता समीर कुमार मिश्रा , बीपीओ ट्विंकल चौधरी , बीपीआरओ रामकुमार साहा , गंगाराम टुडू , बीपीएम उज्ज्वल रविदास आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

पाकुड़ में लचर स्वास्थ्य व्यवस्था की जानकारी लोजपा जिला अध्यक्ष ने बाबूलाल को दिया

पाकुड़/झारखंड देखो। परिषद पाकुड़ में पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के जिला अध्यक्ष सह राजमहल लोकसभा चुनाव प्रभारी रंजीत कुमार सिंह एवं कार्यकर्ताओं के द्वारा बुके देकर स्वागत की गई. तथा पूर्व मुख्यमंत्री से पाकुड़ जिले के शहर में स्वास्थ्य व्यवस्था खराब हो चुकी है, शहर में घनी आबादी है, और एक स्वास्थ्य केंद्र है परंतु सुविधा विहीन है. पाकुड़ शहर से 7 किलोमीटर दूर सोनाजोड़ी में सदर अस्पताल है. परंतु अचानक शहर में कोई बीमार या गंभीर बीमारी होती है तो एक बड़ा समस्या उत्पन्न हो जाती है. 7 किलोमीटर दूर ले जाते ले जाते कभी भी रोगी दम तोड़ सकता है. महिला हो या पुरुष समय पर इलाज नहीं हो पाती है. शहर के स्वास्थ्य केंद्र में कोई व्यवस्था नहीं है, ना डॉक्टर है, नर्स है, ना ही दवाई है. इस आशय की शिकायत पत्र पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी को दिया गया. उन्होंने अस्वस्थ किया कि हम बात करके शहर के स्वास्थ्य केंद्र को व्यवस्था करवाएंगे और लोगों के इलाज हो सकेगी. भाजपा के जिला अध्यक्ष अमृत पांडे, अनुग्रहित प्रसाद साहा, गोपी दुबे, उपाध्यक्ष हिसाबी राय, मिसफिका हसन, दुर्गा मरांडी, बबुधन मुर्मू, राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के आशुतोष राणा, आयुष सिंह, जितेंद्र भगत, लक्ष्मण पुरी, राघवेंद्र प्रताप, उदयभान सिंह, मोहम्मद जावेद अंसारी दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे.

सीओ सह बीडीओ एवं थाना प्रभारी ने चलाया छापेमारी अभियान

पाकुड़/झारखंड देखो। पाकुड़िया सीओ सह बीडीओ साइमन मरांडी एवं थाना प्रभारी अभिषेक राय ने रविवार की शाम को अवैध बालू ढुलाई के खिलाफ रविवार की शाम को खक्सा से लाखीजोल जानेवाली पीडब्ल्यूडी मुख्य पथ पर छापेमारी अभियान चलाया। छापामारी के दौरान थाना प्रभारी अभिषेक राय एवं बीडीओ ने पश्चिम बंगाल की ओर ले जाते हुए बालू लदा एक ट्रैक्टर को जांच के लिए रोका लेकिन ट्रैक्टर के चालक ट्रैक्टर को रोकते ही बिना चालान दिखाए. मौके पर ही कुद कर फरार हो गया। बीडीओ साइमन मरांडी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि बिना चालान के ही कुछ ट्रैक्टर बालू लादकर बंगाल ले जाते हैं। जांच के दरमियान बालू से सबंधित कोई चालान उपलब्ध नही होने पर ट्रैक्टर जब्त कर पाकुड़िया थाना को कारवाई के लिए सौप दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि थाने में जब्त अवैध बालू लदा ट्रैक्टर के चालक एवं मालिक के खिलाफ सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

कार्तिक पूर्णिमा में सफाहोड़ समुदाय के लोगों ने बांसलोई नदी में आस्था की डुबकी लगाई

महेशपुर/अमड़ापाड़ा/हिरणपुर(पाकुड़)/झारखंड देखो।

कार्तिक पूर्णिमा पर सोमवार को जिले के अलावा विभिन्न प्रखंडों में अवस्थित पवित्र नदियों और जलाशयों में पवित्र स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने मंदिर में पूजा अर्चना किये। सुबह से ही श्रद्धालुओं ने स्नान कर उगते हुए सूरज को अर्ध्य दे रहे हैं। वही हिंदू संस्कृति के अलावा जनजातीय संस्कृति में भी कार्तिक पूर्णिमा का खास महत्व है। आज के दिन साफाहोड़ और विदिन समाज के आदिवासी श्रद्धालु भी आस्था की डुबकी लगाते हैं। जिले के अमड़ापाड़ा बांसलोई नदी में साफाहोड़ समुदाय के लोगों ने आस्था की डुबकी लगा कर अपने ईस्ट देव भगवान शिव की पूजा अर्चना किये। मिली जानकारी के अनुसार बांसलोई नदीं तट में विभिन्न क्षेत्रों गोपीकांदर, पाकुड़िया, महेशपुर, अमड़ापाड़ा सहित कई प्रखंड के साफाहोड़ समुदाय के लोगों ने स्नान करते हुए अपने भगवान को अंतर्धान हो कर नतमस्तक किया। साफाहोड़ के पुरोहित पुरखा बाबा ने बताया कि हमलोगों ने अपने ईस्टदेव भगवान ब्रह्मा विष्णु महेश की पूजा अर्चना विधिवत पूजन किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि भगवान शिव की पूजा कर अपने सुख शांति की प्रार्थना किये। वहीं महेशपुर प्रखंड में कार्तिक पूर्णिमा पर सोमवार को श्रद्धालुओं ने स्थानीय बाँसलोई नदी में आस्था की डुबकी लगाई। हर हर महादेव शंभू, माँ गंगे के जयघोष से नदी के घाट गूंजते रहे। तट व घाट श्रद्धालु से भरे रहे। भोर पहर से ही लोगों ने नदी में गोते लगाना शुरू कर दिया था। पवित्र स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने बड़े ही विधि विधान से मां गंगा का पूजन अर्चन कर उनसे सुख व समृद्धि की कामना की। स्थानीय श्री श्री 1008 बूढ़ा बाबा महेश्वर नाथ शिव मंदिर में भक्तो ने पूजा अर्चना कर सुख व समृद्धि की कामना किया। वही साफाहोड़ के श्रद्धालुओं ने पश्चिम बंगाल के जंगीपुर गंगा में आस्था का डुबकी लगाकर स्थानीय शिव मंदिर के दरबार में आए भक्तों ने बाबा के दरबार में अर्जी लगाकर अपने संकटों से मुक्त होने के लिए प्रार्थना की। कार्तिक पूर्णिमा के दिन प्रदोष काल में किसी नदी या तालाब में दीपदान करने का विशेष महत्व है. इस दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में किसी नदी या तालाब में दीपक प्रज्वलित करें. मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन दीप दान करने से घर में खुशहाली व सुख-समृद्धि आती है. हिरणपुर प्रखंड में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार को परगला नदी किनारे स्थित बाबा अम्बिकेश्वर मंदिर परिसर में साफा होड़ ने परम्परागत रूप से पूजा अर्चना किया। कार्तिक पूर्णिमा को लेकर सुबह से ही नदी में लोगो का तांता लगा रहा। जहाँ काफी संख्या में क्षेत्र के साफा होड़ भी उपस्थित होकर नदी में स्नान किया। इसके बाद सभी मंदिर प्रांगण में एकत्रित हुए। जहां सभी श्रद्धालुओ द्वारा फल फुल लेकर पूजा में बैठे ।गुरूबाबा होपोनबाबू किस्कु द्वारा आदिवासी परम्परा अनुरूप भगवान शिव , राम , काली , सूर्य , चंद्रमा आदि देवताओं की पूजा अर्चना किया गया। उधर कार्तिक पूर्णिमा को लेकर आम महिला पुरुषों को भी नदी में स्नान कर भगवान का जलाभिषेक करते देखा गया।

मलेरिया प्रभावित गांव का हाल जाने पहुंचे बाबूलाल, स्वास्थ्य व्यवस्था पर जताई नाराजगी

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़)/झारखंड देखो।

झारखण्ड के प्रथम मुख्यमंत्री सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी सोमवार को लिट्टीपाड़ा के बड़ा कुटलो गांव पहुँचे। जहाँ उन्होंने विगत दिनों मलेरिया व ब्रेन मलेरिया से सात बच्चे की मौत से पीड़ित परिवार से मिले और ढाढस दिया।बाबूलाल मरण्डी ने साधारण बीमारी से बच्चे की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए सरकार पर जमकर बरसे।उन्होंने कहा आज हाई टेक्नोलॉजी के रहते हुए मलेरिया जैसे बीमारी से एक के बाद सात बच्चो की मौत घोर लापरवाही और सरकार की विफलता को दर्शाता है।जग जाहिर है कि लिट्टीपाड़ा, सुंदरपहाड़ी व बोआरीजोर प्रखण्ड मलेरिया जॉन है। जहा सरकार को एस्पेसल डराईभ चलाकर बीमारी पर नियंत्रण करना चाहिए था।फिर भी सरकार इलाज का समुचित व्यवस्था क्यो नही किया है। बड़ा कुटलो से नवाडीह तक पहुचनेके लिए सड़क नही है। लोग

बाबूलाल मरांडी ने कहा बीमारी के डर से यहां नहीं आए मुख्यमंत्री

नदी नाले व गड्ढे से होकर गुजरते हैं। जहां गड्ढे होगा, वहां मच्छड़ पैदा होगा ही। यहाँ सड़के होती तो घर के आस पास जल जमाव नही होता तो मछड़ अंडे नही देती और लोग बीमार नही होते । क्षेत्र में सरकार को लोगो के बीच जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। बाबूलाल ने कहा जब प्रदेश के मुख्यमंत्री पाकुड़ व पतना आये, और बगल में ही बड़ा कुटलो गाँव नही आये। उनको आदिवासी बच्चो की मौत पर कोई दुख नही है। मुख्यमन्त्री को भी था कि कही मलेरिया प्रभावित गांव जाएंगे तो कही हमे भी मलेरिया न हो जाए।या उन्हें उनके अधिकारियो ने भय दिखाया होगा कि वहाँ मत जाए। अन्यथा आपको भी मलेरिया हो जाएगा। इसी भय से मुख्यमंत्री बड़ा कुटलो गाव नही आये। उन्होंने कहा विधवा माताए मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए भटक रहे है। मृत्यु प्रमाण पत्र के अभाव में इस क्षेत्र के दर्जनों विधवा माताओ को विधवा पेंशन नही मिल रहा है। वही प्रधानमंत्री आवास का लाभ नही दिए जाने की वजह से सेकड़ो परिवार आज भी झोपड़ी में रह रहे है जो बड़ी शर्म की बात है। आज प्रखण्ड के कई ऐसे गाव है जहाँ तक पहुँचने के सड़क नही है।इस से सरकार की मनसा साफ जाहिर होती है कि क्या चाहती है। क्षेत्र का कोई विकास नही हो रहा है।इसलिए आप जनता जागे ओर अपने अधिकार के प्रति सचेत हो और अपने अधिकार को लेने के लिए एक जुट हो। मोके पर भाजपा नेता बाबुधन मुर्मू, दुर्गा मरण्डी, दानियल किस्कू, साहेब हांसदा, जोरडीहा पंचयत के मुखिया जोसेफ मालतो समेत दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर जमकर हमला बोला

पाकुड़/झारखंड देखो।

सर्किट हाउस में पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम के दौरान सीएम ग्रामीण इलाकों में जाते तो उन्हें जमीनी हकीकत, लोगों की बदहाली दिखती और लोगों की समस्याएं दूर होती, लेकिन ऐसा न कर सिर्फ भाषणबाजी करने का काम हो रहा है. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड के लोगों के हितों से ज्यादा सीएम हेमंत सोरेन अपने खास लोगों को खान खनिज का फायदा दिला रहे हैं. गांव के गांव उजड़ रहे हैं, लेकिन इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता. बाबूलाल मरांडी ने सीएम के विधानसभा क्षेत्र, सुंदरपहाड़ी और लिटीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र में मलेरिया के बढ़ते प्रकोप को सरकार की बदइंतजामी करार दिया. उन्होंने कहा कि प्रभावित गांवों में डॉक्टरों की प्रतिनियुक्ति की जाए. उन्होंने कहा कि अगर शासन संवेदनशील रहता तो आदिवासियों को परेशानी नहीं उठानी पड़ती. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने टीएमसी सांसद महुआ मोईत्रा द्वारा झारखंड के लोगों को कुत्ता कहे जाने के मामले में सीएम हेमंत सोरेन को अपना स्टैंड क्लियर करने की मांग की. बाबूलाल ने कहा कि लोभ और लालच की हेमंत सोरेन सरकार के शासनकाल में खान खनिज के नाम पर गांव को उजाड़ने का काम हो रहा है. उन्होंने कहा कि आदिवासियों के नाम पर राजनीति करने वाले सीएम हेमंत सोरेन जनता को बताएं कि आदिवासियों का आखिर भला क्यों नही हो रहा.

- **बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री पर मलेरिया प्रभावितों की अनदेखी करने का लगाया आरोप**

Govt. Regd.
B.ED.
B.P.ED.
D.ED.
D.PHARMA
LLB
A to Z CONSULTANCY
Contact for Fast Track Mode
Session Available: 2020 onWards.
GRADUATION/MASTERS/PH.D all courses
Regular and Distance Mode
Contact: 9955599136, 9234964298 , 7870104955
Address: Ring Road, Near R.K. Marble. Dumka, Jharkhand.
GNM
B.Sc. NURSING
PARA MEDICAL
B.TECH / DIPLOMA
MBA / BBA

2 ट्रक विदेशी शराब जब्त है चार लोग भी गिरफ्तार

बेतिया(मोहन सिंह)।

नशा मुक्ति दिवस एवं संविधान दिवस के अवसर पर उत्पाद विभाग की सूचना पर पुलिस एवं उत्पाद विभाग की संयुक्त छापेमारी में पश्चिम चंपारण जिला अंतर्गत बगहा एवं बेतिया पुलिस जिला के सीमावर्ती थाना चौतरवा एवं लोरिया मैं बड़ी कार्रवाई करते हुए दो ट्रक विदेशी शराब जप्त किया है और चार लोगों को गिरफ्तार किया है विदेशी शराब की यह बहुत बड़ी खेप का पकड़ा जाना जहां जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है वही बगहा पुलिस जिला अंतर्गत चौतरवा थाना का रतवल गंडक पुल शराब तस्करी के मामले में गेटवे आफ बिहार बना हुआ है जो एक गंभीर जांच का विषय है।

बताते चलें कि बेतिया पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ट्रक विदेशी शराब बरामद की है. बरामद की गई शराब की कीमत लगभग 50 लाख रुपए बताई जा रही है. पुलिस ने विदेशी शराब के साथ ट्रक को जप्त कर लिया है. ट्रक के साथ चालक और उपचालक को भी गिरफ्तार कर लिया गया है. शराब की यह बड़ी खेत उत्तर प्रदेश से बिहार लाई जा रही थी. तभी पुलिस को गुप्त सूचना पर कार्रवाई की है। मामला लौरिया थाना क्षेत्र की है. जहां मधनिषेध विभाग और लौरिया पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए शराब की बड़ी खेप बरामद की है. मधनिषेध विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि पंजाब से उत्तर प्रदेश के रास्ते होते हुए विदेशी शराब की बड़ी खेप बिहार के मधुबनी जिले के झंझारपूर जाने वाली है। सूचना के आलोक मे उत्पाद विभाग एवं लौरिया पुलिस ने टाल प्लाज़ा के समीप अभियान चलाकर ट्रक की जांच शुरू की इसी दौरान उत्तर प्रदेश के रास्ते एक ट्रक जिसका नंबर टल-12-वट-8545 बेतिया की तरफ जा रही थी. तभी पुलिस ने ट्रक को रोका और उसकी जांच शुरू की तो जांच के दौरान ट्रक से 500 पेटी विदेशी शराब लदा हुआ था. जिसमें लगभग 4500 लीटर शराब बरामद किया गया. बरामद शराब की कीमत लगभग 50 लाख रुपए बताई जा रही है. शराब की बड़ी खेप चूड़ा के बोरे के नीचे छुपाकर ले जाया जा रहा था।

वहीं पुलिस ने शराब के साथ ट्रक ड्राइवर और उप चालक को गिरफ्तार कर लिया है. मधनिषेध विभाग और लौरिया पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए शराब की बड़ी खेप बरामद की है. नरकटियागंज एसडीपीओ प्रकाश सिंह ने बताया कि पुलिस ने शराब की बड़ी खेप बरामद की है. पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पंजाब के रास्ते यूपी होते हुए बिहार में शराब की बड़ी खेप लाई जा रही है. जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ट्रक की जांच शुरू की तो चूड़ा के बोरे के नीचे छुपाकर ले जा रहें थे. पुलिस ने चालक समेत दो को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई में जूट गई है।

वहीं बगहा पुलिस ने छापेमारी के दौरान एक ट्रक से 822 कार्टून विदेशी शराब बरामद किया है तथा शराब के साथ चालक व उप चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

पूरा मामला बगहा पुलिस जिले के चौतरवा थाना क्षेत्र की है।जहां उत्पाद विभाग बिहार पटना के द्वारा प्राप्त गुप्त सूचना के आलोक में चौतरवा थाना की पुलिस ने छापेमारी कर एक ट्रक से करीब 822 कार्टून विदेशी शराब को बरामद किया है।जिसकी कुल मात्रा तकरीबन 72 सौ लीटर बताई जा रही है।साथ ही ट्रक चालक व उप चालक को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।वही भारी मात्रा में बरामद शराब की बड़ी खेप की सूचना पर चौतरवा थाना में पहुंचे एसडीपीओ कुमार देवेंद्र।इस संदर्भ में चौतरवा थानाध्यक्ष सह पुलिस इंस्पेक्टर सुरेश कुमार ने बताया कि उत्पाद विभाग पटना द्वारा प्राप्त गुप्त सूचना पर पुलिस ने बड़ी कार्यवाई करते हुए रविवार की सुबह 4 बजे के करीब गस्ती दल के पुलिस बलों के साथ एस आई दिलीप तिवारी के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के हमीरा एनएच 727 मुख्य मार्ग पर विदेशी शराब की बड़ी खेप के साथ एक ट्रक को जप्त किया है।थानाध्यक्ष ने बताया कि जप्त की गई ट्रक चंडीगढ़ पंजाब से शराब की बड़ी खेप लेकर उत्तर प्रदेश के रास्ते धनहा होते हुए चौतरवा थाना क्षेत्र में प्रवेश किया था,जिसपर मूंगफली के छिलके की बोरियों के नीचे छुपाकर 822 कार्टून विदेशी शराब की बड़ी खेप लाई जा रही थी।जिसे पुलिस ने जप्त कर लिया है।थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब के साथ ट्रक चालक व उप चालक को गिरफ्तार किया गया है तथा प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन की जा रही है।बता दें कि बगहा पुलिस जिले में शराब की इतनी बड़ी खेप चर्चा का विषय बना हुआ है।साथ ही चौतरवा पुलिस की भी बड़ी कामयाबी मानी जा रही है,जिसकी तत्परता के कारण ही आज शराब की इस बड़ी खेप को बरामद किया गया है।वही देखा जाय तो बरामद शराब की कीमत बिहार में करीब एक करोड़ के आस पास आंकी जा रही है।

क्षणिकाएँ

मरीचिका

वो,
बातों- ही- बातों में,
बातें अचेतन की,
दमित इच्छाओं की,
व्यमोही इरादों की,
भ्रम में,
विभ्रम में,
कुंठा में,
यूँ चेतनतः,
बोल सुर्खियों में आते हैं;
मिठी जुबां से,
इड के कमान से,
बेवजह बबाल का,
राजनीतिक सवाल का,
घोल शक्कर जाते हैं,
' जेबकतरे' से लेकर,
'पनौती' तक का,
बुझा पहेलियाँ ,
अठखेलियाँ,
व्यामोह में,
यथार्थ प्रभाव को,
अस्पष्ट शब्दों से,
दे संवेगात्मक उबाल,
मचा राजनीतिक बवाल,
कह मरीचिकी मुहावरे जाते हैं ।

वो,
21 वी सदी के,
दौरे वैज्ञानिक युग में,
अंधविश्वासों,
भ्रमों आदि से दूर,
समाज को,
आज को,
सभ्य ,
शिक्षित,
व्यवहारिक व,
उन्नत प्रवृत्ति का बताते हैं,
खातिर जिसके,
'विश्व कुटुंबकम्' की राह में,
'विश्वगुरु' की चेतन चाह में,
दिल से,
सपना सजाते हैं,
अरमां जुड़ाते हैं;
पर,
यथार्थ में,
स्वार्थ में,
भावनाओं को सूली चढ़ा जाते हैं,
जब!
वो,
पूर्वाग्रह में,
मिथ्या मार्दंगी में?
मनोविकारी सोच में?
महिलाओं को,
माँ- बहनों को,
भरी पंचायत में!
मार जूतों से!
जूतों पर थूक चटवाते हैं !

कुंठा सोच

वो,
' स्टार्ट अप' इंडिया के,
'आत्मनिर्भर भारत' के,
बातों का,
इरादों का,
सपनों का,
कुंठा में,
हीनता में,
आवेश में,
क्या खूब मतलब ,
बता रहे हैं!
समझा रहे हैं!
सही मायने में,
देश दुनिया को,
कि,
इसका क्या व्यवहारिक अर्थ हैं;
चोरी, लूट, छीनतई ,डकैती,
ढगी, साइबर क्राइम आदि के ,
धोखे के,
शॉर्ट कमाई के,
भ्रष्ट व्यवस्था में,
ईमानदारी से,
मेहनत से,
करना धन अर्जित ,
नजरों में उसके बेकार हैं,
कहना भी कुछ जहाँ व्यर्थ हैं ।

प्रस्तुति

डॉ विनोद कुमार शर्मा

(नैदानिक मनोवैज्ञानिक)
असिस्टेंट प्रोफेसर,
स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग,
सिकामु विवि, दुमका ।

एनसीसी कैडेट्स के शिविर में 40 यूनिट रक्त संग्रह

गिरिडीह। एनसीसी दिवस के एक दिन पहले शनिवार को गिरिडीह कॉलेज में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। प्रो विनीता कुमारी के नेतृत्व में एनसीसी कैडेट्स ने शिविर का आयोजन किया। जिसमें 40 कैडेट्स ने रक्तदान किया। शिविर में बीएड के छात्र छात्राओं ने भी रक्तदान किया। मौके पर प्रो विनीता कुमारी ने कहा कि रक्तदान महादान है। रक्तदान शिविर छात्र-छात्राओं को रक्तदान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से किया गया। समाज में जिनको रक्त की जरुरत है, उसे पूरा करने के लिए शिविर लगाकर लाभ दिलाने का एक प्रयास किया गया है। प्राचार्य डॉ अनुज कुमार ने शिविर में छात्र-छात्राओं का हौसला बढ़ाया और रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। शिविर को सफल बनाने में सदर अस्पताल गिरिडीह के डाक्टर सोहेल व उनकी टीम ने पूरा सहयोग दिया। मौके पर सीनियर अंडर ऑफिसर अनिष कुमार, अंडर ऑफिसर निवास कुमार, सचिन कुमार, सुदीप प्रधान, पूर्व सिनियर अंडर ऑफिसर मनीष तिवारी, राहुल कुमार, समीर दीप, उज्जवल, चंदन, नितेश, मुकेश कुमार, आदित्य, विकास, संदीप, राजकुमार, चांदनी, साक्षी, सिया, सूरज, दिवाकर आदि एनसीसी कैडेट्स एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

डीएम ने निर्मली में अनुमंडल के सभी बीएलओ व पदाधिकारी के साथ संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर किये बैठक

- **27 अक्टूबर से 9 दिसंबर तक विशेष संक्षिप्त मतदाता पुनरीक्षण कार्य की जा रही है। इसमें शिथिलता बरतने बाले बीएलओ पर सख्त कार्रवाई की जाएगी : कौशल कुमार डीएम सुपौल**

ललन कुमार/संवाददाता/मरौना

निर्मली (सुपौल)। जिला पदाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी कौशल कुमार की अध्यक्षता में निर्मली एवं मरौना प्रखंड के सभी बीएलओ व पदाधिकारी के साथ विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम से सबंधित बैठक अनुमंडल कार्यालय स्थित सभा भवन में सोमवार को संपन्न हुई। बैठक में अनुमंडल निर्वाचन अधिकारी सह एसडीएम संजय कुमार सिंह, एसडीएम सुपौल इंद्रवीर कुमार ,अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुपौल कमलेश कुमार, अवर निर्वाचन पदाधिकारी मनोज कुमार सहित बीएलओ उपस्थित थे। बैठक में उपस्थित सभी बीएलओ को संबोधित करते हुए कहा गया कि 27 अक्टूबर से 9 दिसंबर तक विशेष संक्षिप्त मतदाता पुनरीक्षण कार्य की जा रही है। इसमें शिथिलता बरतने बाले बीएलओ पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। समय रहते अधिक से अधिक युवा व छूटे हुए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने का कार्य संपन्न करना है। कार्य में शिथिलता बरतने वाले ब्लू पर कार्रवाई करने का फरमान जिला पदाधिकारी ने जारी किया। अभी तक जो बीएलओ मतदाता पुनरीक्षण का कार्य पूर्ण कर ली है उनके कार्य की समीक्षा की जा रही है। बैठक में उपस्थित पदाधिकारी भी निर्वाचन से संबंधित कई दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचक सूची लिंगानुपात बढ़ाने के लिए प्रेरित किया जाय। योग्य मतदाताओं का प्रपत्र 6 एवं मृत मतदाताओं के प्रपत्र 7 भरवाने हेतु सूची उपलब्ध कराई गई है। बीएलओ के माध्यम से सत्यापन कराकर अग्रतर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही मतदाता जन जागरूकता हेतु पुनरीक्षण कार्य में अधिक से अधिक लोगो को भाग लेने का अनुरोध किया। दोहरी प्रवृष्टि एवं पीएसई निष्पादन में सहयोग की अपील की गई। 18 से 19 वर्ष के गरीब, मजदूर, छात्र - छात्रा सहित अन्य योग्य लोगो को मतदाता बनाने पर जोड़ दिया गया है। मौके पर सहायक निर्वाची पदाधिकारी मनोज कुमार, प्रभारी बीडीओ गौरव कुमार सही अनुमंडल के सभी बीएलओ उपस्थित थे।

चार वर्षीय बच्ची को बंदर ने काटा

बगहा(प.च)। वीटीआर वन प्रमंडल 2 के वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र के गोल चौक एफ टाइप कॉलोनी निवासी दीपक सिंह की पुत्री अदिती उम्र लगभग 4 वर्ष को बंदरों ने काट कर बुरी तरह जख्मी कर दिया। पीड़ित बच्ची के पिता ने बताया कि उनकी बच्ची घर के आंगन में खाना खा रही थी तभी बंदरों के झुंड ने उन पर हमला बोल दिया और उसे बुरी तरह जख्मी कर दिया ।बच्ची के चिल्लाने की आवाज सुनकर जब घरवालों ने शोर मचाना शुरू किया तब बंदर भाग खड़े हुए आनन फानन में परिजनों द्वारा बच्ची को उपचार हेतु अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां घायल का उपचार जारी है इस बाबत मौके पर मौजूद डॉक्टर संजय कुमार आयुष ने बताया कि मरीज का प्राथमिक उपचार कर दिया गया है और मरीज खतरे से बाहर है इस बाबत प्रभारी वनपाल गजेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि वन क्षेत्र से रिहाइशी क्षेत्र सटे हुआ है इस कारण कभी-कभी वन्य जीव रास्ता भटककर रिहायशी क्षेत्र में प्रवेश कर जाते हैं ग्रामीणों से अपील है कि वे सतर्क और सजग रहें मामले की जांच की जा रही है सत्य पाए जाने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

बाइक की टक्कर से जख्मी युवक की इलाज के दौरान मौत, परिवार में मचा कोहराम

ललन कुमार/संवाददाता/मरौना

निर्मली(सुपौल)। अनुमंडल अंतर्गत सुपौल नदी थाना क्षेत्र के ललमनिया पंचायत स्थित मुंगराहा पुल के पास निर्मली-मरौना मुख्य पथ पर बाइक की टक्कर से गंभीर रूप से जख्मी युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान सरोजबाला पंचायत के वार्ड-4 निवासी वंशीलाल यादव के 20 वर्षीय पुत्र देवानंद यादव के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार ललमनिया पंचायत स्थित मुंगराहा पुल के पास निर्मली-मरौना मुख्य पथ पर गत शुक्रवार दोपहर लगभग 12 बजे बाइक की टक्कर से गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। जिसे निर्मली में प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया था। इसके बाद दरभंगा के पारस अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। इसी बीच रविवार देर शाम इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। शव को परिजनों के द्वारा गांव लाया गया। सूचना पर सरोजाबेला पंचायत के मुखिया अशोक कुमार यादव, नदी थानाध्यक्ष राजू कुमार सहित अन्य ने भी मृतक के घर पहुंचकर वस्तुस्थिति का जायजा लिया और परिजनों को ढांढस बंधाया। जबकि पुलिस प्रक्रिया के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया। इधर, युवक की मौत के बाद से परिजनों में चीख-पुकार मची हुई है।

हेल्पिग कॉर्प्स फाउंडेशन के सदस्यों ने मद्य निषेध एवं उत्पाद विभाग के मंत्री से मुलाकात की

गिरिडीह। शनिवार को हेल्पिग कॉर्प्स फाउंडेशन (एनजीओ) के प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड सरकार की मद्य निषेध एवं उत्पाद विभाग मंत्री बेबी देवी से उनके आवास अलग्रो बोकारो में मुलाकात की । इस बाबत हेल्पिग कॉर्प्स फाउंडेशन के राज्य अध्यक्ष विशाल गंभीर ने बताया की मंत्री महोदया को दो सूत्री मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया है जिसमे राज्य में धार्मिक स्थल,स्कूल व कॉलेज के आस पास संचालित शराब दुकानों को बंद कर दूसरे स्थान पर संचालन की बात कही व सरकारी शराब दुकानों पर एमआरपी से अधिक मूल्य पर खुलेआम शराब बिक्री की जा रही हैं दोनो ही बिंदुओं पर लोगो ने मांग की हैं की जांच टीम का गठन कर दोषियों पर करवाई की जाए। इस बाबत मंत्री महोदया व उनके प्रतिनिधि अखिलेश महतो ने कहा की मामले की जांच करवाई जाएगी दोषी पाए जाने पर बक्शा नही जाएगा । मौके पर प्रतिनिधिमंडल में हेल्पिग कॉर्प्स फाउंडेशन के राज्य अध्यक्ष विशाल गंभीर,राज्य उपाध्यक्ष मनोज चावला,राजेश राणा,धनबाद जिला सचिव गुरमीत सिंह,धनबाद मानव अधिकार सेल के जिला कॉर्डिनेटर विकास कुमार दसौंधी,पर्यावरण सेल के जिला कॉर्डिनेटर सुभेंदु भावमिक,गिरिडीह के मानव अधिकार के जिला संयोजक सुनील महतो,धनबाद बाल संरक्षण सेल की जिला संयोजक भावना चौहान आदि मौजूद थे ।

नाबालिग से छेड़खानी करने व वीडियो वायरल करने वाले तीनो युवक गिरफ्तार, गए जेल

गिरिडीह। तिसरी प्रखंड के भुराई गांव में दो नाबालिक चचेरी बहनों द्वारा जंगल में बकरी के लिए पत्ता लाने के क्रम में गांव के तीन लड़कों द्वारा छेड़खानी किए जाने व वीडियो वायरल किए जाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीनों युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बताया जाता है कि बीते मंगलवार को गांव के ही सचिन कुमार और अरुण कुमार ने जंगल से पत्ता लाने के क्रम में दोनो चचेरी बहन के साथ छेड़खानी की थी। जबकि उनके एक साथी ने मोबाइल से वीडियो बनाया था। मामले में पीड़िता के पिता ने तीनो लड़को के विरोध में तिसरी थाना में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की थी। आवेदन के आलोक में तिसरी थाना प्रभारी प्रदीप कुमार ने तीनो आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करते हुए उनके तलाश में जूट गए थे।

0-5 वर्ष तक के बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का होगा टीकाकरण

जिले के बैरिया प्रखंड के भितहा बनकट ग्राम से हुआ मिशन इंद्रधनुष 5.0 के तृतीय चक्र का शुभारम्भ

बेतिया(कुमार अभिजितम)। सघन मिशन इंद्रधनुष अभियान 5.0 के तीसरे चक्र का उद्घाटन भितहा बनकट, बैरिया प्रखंड में सिविल सर्जन डॉ श्रीकांत दुबे ने किया। इस अवसर पर सीएस ने बताया कि 27 नवम्बर से 2 दिसंबर तक मिशन इंद्रधनुष 5.0 के तृतीय चक्र का अभियान चलाया जाएगा। इसमें खासकर गर्भवती महिलाओं एवं

- **जिले में 979 सत्रों पर चलेगा टीकाकरण अभियान**

05 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को बीमारी से बचाने के लिए टीकाकरण किया जाएगा। मौके पर डॉ दुबे ने कहा कि बच्चों को विभिन्न प्रकार की जानलेवा बीमारियों से बचाव के लिये टीकाकरण जरूरी होता है। इसे अवशय कराना चाहिए। मिशन इंद्रधनुष कार्यक्रम के तहत जिले भर के सभी प्रखंडों में जागरूक करते हुए बच्चों का टीकाकरण कराया जा रहा है। डीआईओ डॉ अवधेश कुमार सिंह ने कहा कि इस अभियान में विशेष ध्यान 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं पर रखा जा रहा है। जो कि किसी कारणवश टीकाकरण से वंचित रह गए हैं।

- **12 तरह की बीमारियों से सुरक्षा के लिए जरूरी है टीकाकरण:**

» मौके पर डीआईओ ने कहा कि इस अभियान के दौरान 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को 12 तरह की बीमारियों से बचाने के लिये बीसीजी, पोलियो, हेपेटाइटिस बी, पेंटावेलेंट, एफआईपीवी, आरवीवी, पीसीवी तथा एमआर के टीके लगाए जाएंगे। इसी प्रकार नियमित टीकाकरण से वंचित गर्भवती महिलाओं को टीडी–1, टीडी–2 व बूस्टर टीडी के टीके लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 979 सत्रों पर अभियान चलेगा। जिसमें जिले के 8184 बच्चे एवं 1573 गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण हेतु लक्षित किया गया है।

- **सुरक्षा के लिए जरूरी है टीकाकरण:**

» मौके पर सिविल सर्जन ने कहा कि बच्चों को विभिन्न प्रकार की जानलेवा बीमारियों से बचाव के लिये टीकाकरण जरूरी होता है। इसे अवशय कराना चाहिए। मिशन इंद्रधनुष कार्यक्रम के तहत जिले भर के सभी प्रखंडों में जागरूक करते हुए बच्चों का टीकाकरण कराया जा रहा है। डीपीएम ने कहा कि इस अभियान में विशेष ध्यान 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं पर रखा जा रहा है। जो किसी कारणवश टीकाकरण से वंचित रह गए हैं। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ श्रीकांत दुबे, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ अवधेश कुमार सिंह, यूनिसे×फ एसएमसी राजीव कुमार, डब्ल्यूएचओ के तरुण कुमार, यूएनडीपी के अरविन्द कुमार,प्रभारी डॉ मिथिलेश चन्द्र, बीएचएम, बीसीएम, बीएमसी और एएनएम, सभी सहयोगी संस्था के प्रतिनिधि, सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।

लूटपाट की घटना में तीन गिरफ्तार

मथुरा। थाना महावन पुलिस ने तीन शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से लूटे गये दो मोबाइल फोन व लूटे गये रुपयों में से 2450 रुपये तथा लूट की घटना में इस्तेमाल किया गया अवैध तमंचा बरामद किया है। थानाध्यक्ष महावन आशा चौधरी के मुताबिक छोटे पुत्र अमर सिह, धर्मेन्द्र पुत्र खेत सिंह व योगेश पुत्र मोहन सिंह निवासीगण ग्राम मोहनपुर थाना महावन को थाना महावन क्षेत्रान्तर्गत जगदीशपुर अंडरपास के पास सर्विस रोड से गिरफ्तार किया गया। 22 नवम्बर को ग्राम हयातपुर निवासी शिवकुमार व उसके साथी के साथ यमुना एक्सप्रेस वे सर्विस रोड ग्राम इब्राहिमपुर अंडरपास के पास लूटपाट कर दो मोबाइल फोन व 7500 रुपये लूट लिये थे। जिसके सम्बन्ध में थाना महावन पर अभियोग पंजीकृत कराया गया था।

बिहार के व्यक्ति को 18 किलो गांजे के साथ पकडा

मथुरा। थाना कोसीकलां पुलिस व एसओजी टीम ने संयुक्त कार्यवाही में बिहार के एक व्यक्ति को 18 किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी कोसीकलां अरुण कुमार के मुताबिक चेकिंग के दौरान नंदगांव पुल से नंदगांव की तरफ जाने वाले रास्ते से अवैध गांजे का व्यापार करने वाले मुद्रिका यादव पुत्र मुंशी यादव निवासी शीतल बरदाहा मनियारा थाना कुचायकोट जनपद गोपालगंज बिहार को गिरफ्तार किया गया। इसके कब्जे से 18 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में थाना कोसीकलां पर अभियोग पंजीकृत किया गया है।

अमृत स्नान के दौरा ड्रोन कैमरे से की गई व्यवस्था की निगरानी

मथुरा। कार्तिक पूर्णिमा स्नान के अवसर पर अमृत स्नान कार्यक्रम के दृष्टिगत नगर निगम मथुरा वृंदावन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कृष्ण घाट, गऊघाट, कंश किला घाट, बैकुंठ घाट, स्वामी घाट, संत घाट, सूरत घाट, अशकुंडा घाट, विश्राम घाट, बल्लभ घाट, दौला मौला घाट, सकरकुई मणिकर्णिका घाट, ध्रुव घाट, तिलोई घाट, सूर्य घाट, बंगाली घाट, दांडी घाट, दाऊजी घाट, रामघाट, श्याम घाट कैसी घाट, राजा घाट, श्याम घाट, श्रृंगारघाट एवं सतीबुर्जा घाट आदि सभी घाटों की सफाई कराकर गहरे पानी में बैरिकेडिंग कराई गई एवं महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम एवं कैंप स्थापित कर कर्मचारियों की तैनाती की गई है। ड्रोन कैमरे के माध्यम से व्यवस्थाओं की निगरानी की जा रही है। साथ ही नगर निगम के अधिकारियों द्वारा समुचित व्यवस्था का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रातः अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार के द्वारा विश्राम घाट, राजा घाट पर निगम द्वारा कराई गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं से जलाशय में पूजन सामग्री प्लास्टिक तथा किसी अन्य प्रकार की सामग्री ना फेंकने हेतु अपील की गई।

लेखपाल संघ को मिला कार्यालय, उद्घाटन आज

मथुरा। लेखपाल संघ शाखा छाता को अपना कार्यालय मिल गया है। कार्यालय की स्थापना तहसील छाता में की गई है। चन्द्रशेखर वर्मा जिला मीडिया प्रभारी उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ मथुरा व नितिन चतुर्वेदी प्रदेश मीडिया प्रभारी पश्चिमी ज़ोन ने बताया कि तहसील छाता में तहसील अध्यक्ष पंकज परिहार व तहसील मंत्री मृदुल गौतम के अथक प्रयासों से एवं समस्त कार्यकारिणी के सहयोग से एवं उपजिलाधिकारी छाता व तहसीलदार छाता की सहमति व सहयोग से छाता तहसील में उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ शाखा छाता के कार्यालय की स्थापना की गई है। कार्यालय का उद्घाटन आयोजित किये गये समारोह में 28 नवम्बर को उपजिलाधिकारी, तहसीलदार करेंगे। जिसमें जिले के समस्त लेखपाल व राजस्व निरीक्षकों फील्ड, कार्यालय आदि को लेखपाल संघ छाता द्वारा आमंत्रित किया गया है। जिला मीडिया प्रभारी उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ मथुरा चन्द्रशेखर वर्मा व प्रदेश मीडिया प्रभारी पश्चिमी ज़ोन उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ नितिन चतुर्वेदी द्वारा इस अतुलनीय कार्य के लिए कार्यकारिणी छाता को बहुत बहुत बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं दी गई।

महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे पहुंचे बांके बिहारी की नगरी

आदित्य ठाकरे ने राजनीतिक सवालों पर साधी रही चुप्पी

संवादाता-पी.के आर्यन

मथुरा। महाराष्ट्र की शिवसेना (उद्धव) सरकार में पूर्व मंत्री रहे आदित्य ठाकरे सोमवार को सांसद प्रियंका चतुर्वेदी के साथ मथुरा वृंदावन के धार्मिक दौरे पर पहुंचे। जहां कार्तिक पूर्णिमा पर उन्होंने मंदिरों के दर्शन कर पूजा अर्चना की। जहां पर उन्होंने विश्व प्रसिद्ध ठाकुर श्री बांके बिहारी मंदिर में अपना परिवार के साथ माथा टेका। मंदिर के सेवायतों के द्वारा आदित्य ठाकरे का प्रसादी पटका उड़ाकर स्वागत किया गया। साथ ही उनको ठाकुर बांके बिहारी लाल का प्रसाद भी भेंट किया गया। इस दौरान राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी उनके साथ

मौजूद रही। मथुरा में जीर्णोद्धार कराए गए पांच सौ प्राचीन श्यामा श्याम मंदिर के लोकार्पण समारोह में शिरकत करने आए शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रसिद्ध ठाकुर श्री बांके बिहारी मंदिर पहुंचे। जहां दर्शन कर विधिवत पूजा अर्चना कर मनौती मांगी। इसके बाद उन्होंने प्राचीन टटिया स्थान में भी दर्शन कर महाराज जी से एकांतिक वार्ता की। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वह यहां धार्मिक यात्रा पर आए है। बांके बिहारी लाल के दर्शन कर सौभाग्य प्राप्त हुआ है। श्री ठाकरे ने राजनीति से जुड़े किसी भी मुद्दे पर बात करने से स्पष्ट इंकार कर दिया। उन्होंने कहा कि आज के कार्तिक पूर्णिमा के शुभ दिन के अवसर पर ठाकुर जी के दर्शन होना अपने आप में सौभाग्य की बात है, कहा कि यहां आकर बहुत अच्छा लगा। कार्तिक पूर्णिमा पर दर्शन हुए बहुत अच्छा लगा है। अयोध्या में राम मंदिर बनने जा रहा है यह देश वासियों के लिए शुभ है। पत्रकारों के साल में कहा कि वर्ष 2018 में उद्धव साहब स्वयं अयोध्या आए थे और उन्हें नारा दिया था कि पहले मंदिर फिर सरकार। अब कुछ लोग भूल गए हैं। उद्धव जी पहले महाराष्ट्र के सीएम होंगे जो अयोध्या आए और यहां राम लाल के दर्शन किए। उन्होंने कहा कि वह अयोध्या में राम मंदिर के दर्शन करने जरूर जाएंगे। वृंदावन में भ्रमण करने के बाद आदित्य ठाकरे मथुरा पहुंचे और विश्राम घाट पर यमुना का पूजन किया इसके बाद उन्होंने द्वारा देश भगवान और श्री कृष्ण जन्म स्थान के भी दर्शन करेंगे इसके बाद श्याम श्याम मंदिर का भी उद्घाटन करेंगे। इस दौरान राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी भी साथ मौजूद रहीं।

जनपद में 283 स्थानों पर सशर्त लाउडस्पीकर बजाने की अनुमति

- **पुलिस ने अभियान चलाकर सभी लाउडस्पीकर को किया चेक**
- **140 लाउडस्पीकर मानकों के विपरीत पाये गये, 59 को उतरवाया गया**

संवादाता-पी.के आर्यन

मथुरा। जनपद भर में कुल 283 स्थानों पर ध्वनि विस्तारक यंत्र लगाने और उन्हें बजाने की सशर्त अनुमति है। पुलिस समय समय पर अभियान चला कर यह सुनिश्चित करती है कि इन लाउडस्पीकर को शर्तों के तहत नियमानुसार बजाया जा रहा है अथवा नहीं। जहां अनियमितता मिलती है वहां पुलिस कार्यवाही करती है। धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर बजाने को लेकर पुलिस एक बार फिर एक्शन में है। पुलिस को इस काम में धर्मगुरू और स्थानीय लोगों का सहयोग भी मिल रहा है। जनपद भर में कहीं भी किसी तरह के विरोध की कोई सूचना नहीं है। पुलिस इससे पहले भी इस तरह की कार्यवाही कर चुकी है, जिसकी वजह से इस लोगों में कोई कौतुहल भी नहीं है। लोग इसे सामान्य प्रक्रिया की तरह ले रहे हैं और पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग कर रहे हैं। सोमवार की सुबह यूपी पुलिस के महानिदेशक के निर्देश पर चलाये जा रहे इस अभियान में धार्मिक स्थलों, सार्वजनिक स्थानों पर लगे अवैध लाउडस्पीकर, ध्वनि विस्तारक यंत्र को हटाये जाने के विशेष अभियान के अनुपालन में प्रातः पांच बजे से सात बजे तक पूरे जनपद लाउडस्पीकर उतारने का अभियान चलाया गया। अभियान के क्रम में धार्मिक स्थलों एवं सार्वजनिक स्थानों पर कुल 283 लाउडस्पीकर, ध्वनि यंत्र प्रयोग में लाये जा रहे हैं। जिनमें से 140 लाउडस्पीकर, ध्वनि विस्तारक यंत्र मानक के विपरीत पाये गये। मानक के विपरीत पाये गये 140 लाउडस्पीकर में से 81 लाउडस्पीकर की आवाज कम कराकर मानकों के अनुसार कराया गया तथा 59 लाउडस्पीकर को धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थानों से उतरवाया गया।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में उत्तीर्ण हुए छात्रों को किया सम्मानित

अगले वर्ष बड़े स्तर पर कराई जाएगी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

मथुरा।

नेहरू युवा मंडल पैगाम के द्वारा एक प्रतियोगिता 19 नवंबर को कराई गई थी। जिसका सोमवार को परिणाम घोषित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के द्वारा प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाले छात्र छात्राओं को सम्मानित किया बाकी टॉप 20 छात्रों को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। श्री नागा जी महाराज युवा मंडल के द्वारा 19 नवंबर को एक सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें क्षेत्र के आधा दर्जन स्कूलों के सौ से अधिक छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया था। जिसका आज रिजल्ट घोषित किया गया इस मौके पर सम्मान समारोह भी रखा गया जिसमें प्रथम स्थान करने वाले सुमित शर्मा जवाहर नवोदय विद्यालय से 2100 रुपये,

द्वितीय स्थान पर आने वाले प्रिस एस एस आर स्कूल को 1100 रुपये व तृतीय स्थान पर आने वाले रवि शर्मा चतुर्भुज इंटर कॉलेज को 501 रुपये देकर सम्मानित किया। बाकी 20 छात्रों को भी स्मृति चंद्र देकर उनका उत्साह वर्धन किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवराज सिंह प्रधान हुसैनी ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम वर्ष में कई बार होने चाहिए जिससे क्षेत्र के छात्र छात्राओं की प्रतिभा निकाल कर आए और वह अपने जीवन में सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन करें। श्री नागा जी महाराज युवा मंडल के अध्यक्ष देव रावत ने बताया कि यह हमारी द्वितीय प्रतियोगिता थी जिसमें से एक सैकड़ा से अधिक बच्चों ने हिस्सा लिया और उन्हें आज सम्मानित किया गया हमारा उद्देश्य है कि इसी तरह के आयोजनों की अभी शुरुआत है हम आगे बढ़कर और भी बड़ा आयोजन करते रहेंगे जिससे शिक्षा को लेकर छात्र छात्राओं व लोगों में जागृति आ सके और शिक्षा के क्षेत्र में मथुरा नंबर एक हो सके इसी उद्देश्य के साथ हमने इसी तरह की प्रतियोसम्मानिता आयोजन कर रहे हैं। इस मौके पर चिंटू शर्मा, कान्हैया, दीपक रावत, यदुवीर रावत, योगेश रावत, विजेंद्र प्रबंधक, लक्ष्मीनारायण प्रबंधक,रामकुमार,सुरेंद्र, आदि लोग मौजूद रहे ।

वीरांगना झलकारी बाई के जन्मोत्सव पर मथुरा पहुंची साध्वी प्राची

- **माताएं लव जिहाद में न फंसने दे अपनी बेटी को: साध्वी प्राची दीदी**

संवादाता-पी.के आर्यन/मथुरा। वीरांगना झलकारी बाई के 193 वें जन्मोत्सव पर माहौर समाज द्वारा चमेली देवी गार्डन मथुरा में कार्य का आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि साध्वी प्राची दीदी ने झलकारी बाई के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर जनसभा को संबोधित किया। साध्वी प्राची ने कहा कि वीरांगना झलकारी बाई ने 1857 में वीरांगना रानी लक्ष्मी बाई की तरह अंग्रेजों से बहादुरी के साथ युद्ध करके अपना लोहा मनवाया

लेकिन इतिहासकारों ने इस तथ्य को छुपाया। उन्होंने आगे कहा कि वह जाति पांत में विश्वास नहीं रखतीं थीं। सभी को सनातन धर्म और राष्ट्र सेवा के लिए शिक्षित, संगठित और संघर्षशील होना चाहिए। श्रद्धा का उदाहरण देते हुए उपस्थित महिलाओं से अपनी बेटियों को लव जेहाद से बचाने की अपील की तथा एकेडमिक परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले माहौर जाति के छात्र छात्राओं को शील्ड देकर सम्मानित किया। इस मौके पर विधायक पूरन प्रकाश, जिलाध्यक्ष रामकिशन माहौर, महामंत्री डॉ वीके माहौर, मेजर निहाल सिंह, राज्य कर अधिकारी एसके वर्मा, दीनदयाल माहौर, गिर्राज माहौर, लता माहौर, रामकिशन माहौर, ताराचंद माहौर, हरी बाबू पार्षद, यतेंद्र माहौर, रूपकिशोर महौर, कुंदन माहौर, युद्ध पाल माहौर, दयाराम माहौर, चौखे लाल माहौर, अजय माहौर, कन्हैया लाल माहौर, लखन माहौर, प्रवीण माहौर, मनीष माहौर आदि सैकड़ों सभ्रांत लोग मौजूद रहे।

राया में दिनभर जाम से जूझते रहे श्रद्धालु

- **कार्तिक पूर्णिमा पर राधारानी मंदिर पर जाने वाले लोगों की उमड़ी भीड़**

संवादाता-पी.के आर्यन/मथुरा। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर खादर स्थित मानसरोवर मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को राया के भीषण जाम में घण्टों तक जूझना पड़ा। जाम में फंसे हुए श्रद्धालु व्यवस्थाओं को कोसते हुए दिखाई दिए। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर दूरदराज से श्रद्धालु खादर स्थित राधा रानी मंदिर पर दर्शन के लिए पहुंचते हैं। सोमवार सुबह से ही मंदिर जाने के लिए मांट रोड से वाहनों का आना-जाना शुरू हो गया। जिसके चलते कई बार मांट रोड पर जाम की स्थिति बनी रही। इस दौरान मंदिर जाने वाले श्रद्धालु जाम में फंसे हुए दिखाई दिए। हाथरस से आये श्रद्धालु महेश ने बताया कि हर वर्ष कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर राधा रानी मंदिर दर्शन के लिए जाते हैं इस बार राया के जाम में काफी देर इंतजार करना पड़ रहा है। लेकिन जाम होने के बावजूद भी मंदिर जाने का उत्साह उनके चेहरे पर साफ दिखाई दे रहा था। वाहनों से जा रहे लोग राधा रानी का जयकारा लगाते चल रहे थे।

मोहन भागवत मथुरा में, आज करेंगे अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

आज फरह स्थित दीनदयाल गऊ ग्राम परखम में दीनदयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र का करेंगे उद्घाटन

संवादाता-पी.के आर्यन

मथुरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन के ठीक पांच दिन बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत मथुरा में हैं। डा.मोहन भागवत मंगलवार को दोपहर दो बजे मथुरा के फरह स्थित दीनदयाल गऊ ग्राम परखम में दीनदयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र सहित एडमिन ब्लॉक, क्लास रूम और बायोगैस जनरेटर का लोकार्पण और पशु चिकित्सालय, अनुसंधान केंद्र और छात्रावास का शिलान्यास करेंगे। संघ के सरसंघचालक डा.मोहन भागवत के दौरे की तैयारियों को जिला प्रशासन ने सोमवार को अंतिम रूप दिया। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के मथुरा भ्रमण कार्यक्रम के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था के सम्बन्ध में जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश पांडेय ने अधीनस्थ अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने इस दौरान अधीनस्थों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये। कार्यक्रम समाज में परिवर्तन की दृष्टि से बनी छह गतिविधियों में से एक गौ सेवा और संरक्षण गतिविधि के अन्तर्गत हो रहा है। गौ पालन लाभ हानि के हिसाब से नहीं, बल्कि कामधेनु की सेवा के भाव से किया जाता है। इस बात पर कोई संघर्ष करता है तो निश्चित रूप से पीड़ा होती है। भारत का किसान और असंख्य गौ भक्त गौ माता की रक्षा मानव कल्याण हेतु करता है। इसी उद्देश्य को लेकर इस संस्थान का लोकार्पण करने मोहन भागवत आ रहें हैं। प्रोजेक्ट 100 एकड़ में बनना प्रस्तावित है। जिसमें से 70 एकड़ जमीन क्रय कर ली गई है। समिति सदस्य डॉ. अनुराग शर्मा ने बताया कि गौ विज्ञान अनुसंधान एंव प्रशिक्षण केंद्र यह एक ऐसा अनूठा केंद्र होगा जहां गौवंश नस्ल सुधार, पंचगव्य की गुणवत्ता सुधार पर विश्वस्तरीय शोधकार्य किए जाएंगे। पंचगव्य से मनुष्यों की चिकित्सा, कैंसर जैसे असाध्य रोगों का इलाज वैज्ञानिक पद्धति से किया जाएगा। साथ ही गव्य उद्यमिता विकसित करने के लिए प्रशिक्षण भी प्रदान करेगा। अनुसंधान केंद्र में विभिन्न विश्वस्तरीय लैबों का निर्माण किया जाएगा।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

संपादकीय

हिंसा की कुंठा में डूबे किशोरों को समाज और शासन का डर नहीं

राजधानी दिल्ली में मंगलवार की रात हुई एक हत्या को आम आपराधिक घटनाओं की तरह ही दर्ज किया जाएगा। मगर इस वाकये में हत्या की जो वजह और प्रकृति सामने आई है, उसने सबको यह सोचने पर मजबूर किया है कि समाज में कैसी विकृतियां हमारे आसपास पल रही हैं और कब, कहां कोई अप्रत्याशित घटना हो जाए, कहा नहीं जा सकता।

खबरों के मुताबिक, महज सोलह वर्ष के एक किशोर ने रास्ते से गुजर रहे सत्रह वर्ष के एक अन्य लड़के को रोका, उससे पैसे मांगे और मना करने पर गला दबा कर उसे बेहोश कर दिया। मगर इसके बाद जो हुआ, वह न सिर्फ किसी को भी दहला देने वाला था, बल्कि ऐसे दृश्यों पर विश्वास करना मुश्किल हो जाता है। उन्माद से भरा किशोर बेहोश हो चुके लड़के पर न सिर्फ अंधाधुंध चाकू से वार करने लगा, उसके शरीर को सड़क पर घसीटा, गला रेत दिया, बल्कि शव पर नाचने लगा। एक व्यक्ति ने लड़के को बचाने की कोशिश की, तो किशोर ने चाकू दिखा और धमका कर उसे भगा दिया।

यह पूरी वारदात चूंकि सीसीटीवी की पकड़ में आ गई, आसपास के कई लोगों ने इसे देखा भी, तो ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि खासकर कोमल मन-मस्तिष्क वाले बच्चों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा। कानूनी तौर पर इसे हत्या की एक जघन्य घटना माना जाएगा और इसी मुताबिक आरोपी के खिलाफ न्यायिक प्रक्रिया चलेगी। मगर इसकी प्रकृति इतनी भयावह है कि न केवल दूसरे लोगों ने, बल्कि खुद आरोपी की मां ने भी उसके खिलाफ वयस्क अपराधियों की तरह कानूनी प्रक्रिया चलाने की मांग की। यह समझना मुश्किल है कि इतनी कम उम्र में उस किशोर का दिमाग इस हद तक विकृत कैसे हो गया कि उसने राह चलते एक अनजान लड़के की हत्या कर दी और अपने भीतर मौजूद हिंसा की कुंठा का प्रदर्शन किया। जैसी खबरें आई हैं, उनके अनुसार हत्या करने वाले किशोर ने नौवीं कक्षा में बीच में ही स्कूली पढ़ाई छोड़ दी थी और शराब का आदी हो गया था। उसके माता-पिता दिहाड़ी मजदूर हैं। जाहिर है, वह बुरी संगति में अवांछित आदतों का शिकार हो गया और पारिवारिक अवस्था की वजह से उसे रोकने या सही राह देने की स्थितियां नहीं बनीं। इस बीच कब उसके भीतर मनोवैज्ञानिक विकृतियां पैदा हुई और गहरे बैठ गई, उसका पता किसी को नहीं चला।

ऐसा लगता है कि हिंसा की कुंठा में डूबे किशोर के भीतर से परिवार, समाज और शासन, सभी स्तर का डर निकल गया था। इसलिए इसे जघन्य अपराधों की आम घटनाओं से अलग करके देखे जाने की जरूरत है, जिसमें मनोविज्ञान का पहलू बेहद अहम है। इस घटना के बारे में विशेषज्ञों की भी यही राय है कि आचरण संबंधी, मादक पदार्थों की लत से उपजे विकार या मनोविकृति जैसी समस्याओं से घिरे होने की वजह से आरोपी ने ऐसा किया होगा। यों ऐसी स्थितियों की भी जड़ें होती हैं कि अगर कोई व्यक्ति इस तरह की मानसिक विकृतियों का शिकार होता है तो उसकी कोई वजह होगी। कारण चाहे जो हो, वह अध्ययन का विषय हो सकता है। मगर यह घटना दर्शाती है कि एक ओर हमारे आसपास अब असुरक्षा का वातावरण ज्यादा चिंताजनक साबित होने लगा है, वहीं घर-परिवार में बच्चों की छोटी-मोटी गलतियों को लेकर उदासीनता या उपेक्षा के बजाय उनके व्यवहार पर नजर और देखरेख के साथ उनमें विकसित होती आदतों को लेकर समय रहते सचेत होने की जरूरत है।

वायु प्रदूषण की बढ़ती समस्या चिंताजनक

पिछले वर्ष नवम्बर के महीने में दिल्ली सरकार ने एक आदेश के तहत बिना वैध प्रदूषण प्रमाण पत्र के चलने वाले वाहनों पर 10,000 का मोटा जुर्माना लगाने के आदेश दिये थे। इनका पालन भी सख़्ती से होता हुआ दिखाई दिया। दिल्ली की सड़कों पर परिवहन विभाग व ट्रैफ़िक पुलिस के अधिकारी इसे सख़्ती से लागू करते हुए नज़र भी आए। हर साल दिवाली के आस-पास दिल्ली एनसीआर पर एक ज़हरीली हवा की चादर चढ़ जाती है।

पर्यावरण विशेषज्ञ, नेता और संबंधित सरकारी विभागों के अफसर हर साल की तरह इस साल भी इस समस्या को लेकर सिर खपा रहे हैं। उन्होंने अब तक के अपने सोच विचार का नतीजा यह बताया है कि खेतों में फसल कटने के बाद जो ठूंठ बचते हैं उन्हें खेत में जलाए जाने के कारण ये धुंआ बना है जो एनसीआर के ऊपर छा गया है। लेकिन सवाल उठता है कि यह तो हर साल ही होता है तो नए जवाबों की तलाश क्यों हो रही है?

रजनीश कपूर

पर्यावरण विशेषज्ञ, नेता और संबंधित सरकारी विभागों के अफसर हर साल की तरह इस साल भी इस समस्या को लेकर सिर खपा रहे हैं। उन्होंने अब तक के अपने सोच विचार का नतीजा यह बताया है कि खेतों में फसल कटने के बाद जो ठूंठ बचते हैं उन्हें खेत में जलाए जाने के कारण ये धुंआ बना है जो एनसीआर के ऊपर छा गया है। लेकिन सवाल उठता है कि यह तो हर साल ही होता है तो नए जवाबों की तलाश क्यों हो रही है? आनन-फ़ानन में हर वर्ष दिल्ली सरकार कड़े कदम उठा कर कई तरह के प्रतिबंध लगा देती है।

दिल्ली में और देश में सभी महानगरों में वायु प्रदूषण की बढ़ती समस्या को हम कई सालों से लगातार सुनते आ रहे हैं। हमें एक से एक बढ कर आई सनसनीखेज वैज्ञानिक रिपोर्टों की बातों को भूलना नहीं चाहिए। हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि दिल्ली से निकलने वाले गंदे कचरे, कूड़ा करकट को ठिकाने लगाने का पुख्ता इंतजाम अभी तक नहीं हो पाया। सरकार यही सोचने में लगी है कि यह पूरा का पूरा कूड़ा कहां फिंकवाया जाए या इस कूड़े का निस्तार यानी ठोस कचरा प्रबंधन कैसे किया जाए?

जाहिर है इस गुत्थी को सुलझाए बगैर जलाए जाने लायक कूड़े को चोरी छुपे जलाने के अलावा और क्या चारा बचता होगा? इस गैर-कानूनी हरकत से उपजे धुंए और जहरीली गैसों की मात्रा कितनी है जिसका कोई हिसाब किसी भी स्तर पर नहीं लगाया जा रहा है। इन सबके चलते आम नागरिकों पर सरकार द्वारा लगाए जा रहे प्रतिबंधों से अलग असुविधा हो रही है। परंतु अभी तक सरकार या उसकी प्रदूषण नियंत्रण करने वाली एजेंसियाँ असल कारण तक नहीं पहुँच पाई है।

जब भी कभी कोई उपभोक्ता एक-एक पाई जोड़ कर अपने सपनों का वाहन ख़रीदता है तो उसे उसकी क़ीमत के साथ-

साथ रोड टैक्स, जीएसटी आदि टैक्स भी देने पड़ते हैं। इन सब टैक्सों का मतलब है कि यह सब राशि सरकार की जेब में जाएगी और घूम कर जनता के विकास के लिए इस्तेमाल की जाएगी। परंतु रोड टैक्स के नाम पर ली जाने वाली मोटी रक़म क्या वास्तव में जनता पर ख़र्च होती है? क्या हमें अपनी महँगी गाड़ियों को चलाने के लिए साफ़-सुथरी और बेहतरीन सड़कें मिलती हैं? क्या टूटी-फूटी सड़कों की समय से मरम्मत होती है? क्या देश भर में सड़कों की मरम्मत करने वाली एजेंसियाँ अपना काम पूरी निष्ठा से करतीं हैं? इनमें से अधिकतर सवालों के जवाब आपको 'नहीं' में मिलेंगा।

यहाँ एक सवाल यह भी उठता है कि सरकार द्वारा वाहनों प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित रखने की दृष्टि से कई नियम लागू किए गए हैं। इनमें से अहम है कि दस साल पुराने डीज़ल और पंद्रह वर्ष से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों को महानगरों की सड़कों पर चलने की अनुमति नहीं देना। इसके साथ ही जिन-जिन वाहनों को चलने की अनुमति है उन सभी वाहनों में वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र यानी 'पीयूसी' होना अनिवार्य भी है। इसका सीधा मतलब यह हुआ कि यदि आपके वाहन में एक वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र है तो आपका वाहन तय मानकों से अधिक प्रदूषण नहीं कर रहा और तभी आपके वाहन को सड़क पर आने की अनुमति है।

पिछले वर्ष नवम्बर के महीने में दिल्ली सरकार ने एक आदेश के तहत बिना वैध प्रदूषण प्रमाण पत्र के चलने वाले वाहनों पर 10,000 का मोटा जुर्माना लगाने के आदेश दिये थे। इनका पालन भी सख़्ती से होता हुआ दिखाई दिया। दिल्ली की सड़कों पर परिवहन विभाग व ट्रैफ़िक पुलिस के अधिकारी इसे सख़्ती से लागू करते हुए नज़र भी आए।

हर साल दिवाली के आस-पास दिल्ली एनसीआर पर एक ज़हरीली हवा की चादर चढ़ जाती है। पर्यावरण विशेषज्ञ, नेता और संबंधित सरकारी विभागों के अफसर हर साल की तरह इस साल भी इस समस्या को लेकर सिर खपा रहे हैं। उन्होंने अब तक के अपने सोच विचार का नतीजा यह बताया है कि खेतों में फसल कटने के बाद जो ठूंठ बचते हैं उन्हें खेत में जलाए जाने के कारण ये धुंआ बना है जो एनसीआर के ऊपर छा गया है। लेकिन सवाल उठता है कि यह तो हर साल ही होता है तो नए जवाबों की तलाश क्यों हो रही है?

आनन-फ़ानन में हर वर्ष दिल्ली सरकार कड़े कदम उठा कर कई तरह के प्रतिबंध लगा देती है। जैसे निर्माण कार्य पर रोक लगाना। भवन के तोड़-फोड़ पर रोक लगाना। पुराने डीज़ल और पेट्रोल वाहनों पर रोक लगाना। कूड़े को जलाने पर रोक लगाना आदि। निर्माण कार्यों पर रोक लगाना तो समझ में आता है। परंतु जिन पुराने वाहनों पर रोक लगती है उससे सरकार को क्या हासिल होता है, यह समझ नहीं आता।

उदाहरण के तौर पर यदि आपका वाहन दस साल से अधिक पुराना नहीं है और उसमें एक वैध पीयूसी सर्टिफिकेट तो आपका वाहन प्रदूषण के तय मानकों की सीमा में ही हुआ। यानी आपका वाहन अनियंत्रित प्रदूषण नहीं कर रहा। इसके बावजूद अपनी गाड़ियों में नियमित 'पीयूसी' जाँच करवाने वालों को प्रतिबंध के चलते वाहन सड़क पर लाने की इजाज़त नहीं दी जाती।

क्या ऐसा करना उचितहै? यदि कोई मजबूरी में प्रतिबंधित वाहन को सड़क पर ले भी आता है तो पुलिस वाले उससे 20,000 का चालान वसूलने लगते हैं। ऐसे में ये लोग चालान न देने के लिए या तो बहाने बनाते हैं या पुलिस वालों की जेब गरम कर देते हैं। यानी प्रदूषण की समस्या के साथ-साथ भ्रष्टाचार जैसी समस्या भी जन्म ले लेती है।

ठीक उसी तरह, जब भी कोई वाहन ख़रीदने पर उपभोक्ता रोड टैक्स देते हैं तो उन्हें सड़कों की दुरुस्त हालत क्यों नहीं मिलती? टूटी-फूटी सड़कों पर वाहन अवरोधों के साथ चलने पर मजबूर होते हैं, नतीजा जगह-जगह ट्रैफ़िक जाम हो जाता है।

ऐसे जाम में खड़े रहकर आप न सिर्फ़ अपना समय ज़ाया करते हैं बल्कि महँगा ईंधन भी ज़ाया करते हैं। जितनी देर तक जाम लगा रहेगा, आपका वाहन बंपर-टू-बंपर चलेगा और बढ़ते हुए प्रदूषण की आग में घी का काम करेगा। ऐसे में जिन वाहनों को पुराना समझ कर प्रतिबंधित किया जाता है, उनसे कहीं ज़्यादा मात्रा में नये वाहनों द्वारा प्रदूषण होता है। इसलिए लोक निर्माण विभाग या अन्य एजेंसियों की यह ज़िम्मेदारी होनी चाहिए कि वह सड़कों को दुरुस्त रखें जिससे प्रदूषण को बढ़ावा नहीं मिले। सरकार को प्रदूषण की समस्या से छुटकारा पाना है तो उसे इसके असल कारणों पर वार करना होगा तभी हमारा पर्यावरण स्वच्छ हो पाएगा।

अध्यात्म

बुरी आदतें छोड़ने के लिए संकल्प मजबूत होना चाहिए

गुरु नानक अपने शिष्यों के साथ अक्सर यात्रा करते थे। यात्रा के दिनों में वह अलग-अलग गांवों में ठहरते थे। इस दौरान नानक जी अपने शिष्यों को और अन्य लोगों को उपदेश दिया थे। ऐसे ही एक बार उन्होंने एक गांव में अपना डेरा डाला। डेरे में वे रोज उपदेश भी दे रहे थे। उनके उपदेश सुनने के लिए कई लोग आ रहे थे। उस गांव में एक डाकू भी रहता था। वह भी उपदेश सुनने आता था। डाकू चोरी-छिपे गलत काम करता था और गुरु नानक के उपदेश भी सुन रहा था। एक दिन वह अकेले में गुरु नानक के पास पहुंचा और अपने बारे में बताया कि मैं एक डाकू हूं। आपके उपदेश सुन रहा हूं। मैं गलत काम छोड़ना चाहता हूं, लेकिन मैं ये काम नहीं कर पा रहा हूं।

नानक जी ने उसकी बातें सुनीं और फिर कहा कि गलत काम छोड़ना चाहते हैं तो इसके लिए तुम्हें खुद ही प्रयास करने होंगे। संकल्प करोगे तो इस आदत से छुटकारा मिल जाएगा। बार-बार सोचो मुझे बुराई छोड़नी है, मुझे बुराई छोड़नी है, तभी लाभ हो सकता है।

गुरु नानक जी की बातें सुनकर डाकू उस समय तो चला गया, लेकिन कुछ दिन बाद वह वापस आया और बोला कि मेरी बुरी आदतें तो छुट ही नहीं रही हैं। गुरु नानक जी उससे कहा कि अब तुम एक काम करना, जब भी कोई गलत काम करो तो कम से कम किसी एक व्यक्ति को उस काम के बारे में जरूर बताना। डाकू इस काम के लिए भी तैयार हो गया। कुछ दिनों के बाद वह डाकू फिर से नानक जी के पास पहुंचा। नानक जी ने उसे देखते ही पूछा कि तुम्हारी बुरी आदतें दूर हुई या नहीं। डाकू बोला कि आपने जो तरीका बताया था, वह तो बहुत मुश्किल था। रोज-रोज अपने गलत काम दूसरों को बताना बहुत मुश्किल है। रोज-रोज ऐसा करके मेरे मन पर बोझ बढ़ने लगा। मैं अपने गलत काम दूसरों को बताकर तंग हो गया था तो मैंने मजबूती से संकल्प ले लिया कि अब से मैं गलत काम करूंगा ही नहीं। संकल्प लेने के बाद से मैंने कोई गलत काम नहीं किया और मेरी बुरी आदतें दूर हो गई।

संविधान भारतीय नागरिकों की भलाई के लिए मूल्यवान दस्तावेज

हमें उन संवैधानिक प्रावधानों को त्यागने पर विचार करना चाहिए जो जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत नहीं करते हैं। यह भी आवश्यक है कि सामाजिक-आर्थिक इंजीनियरिंग और विकास की प्रक्रिया का विकेंद्रीकरण और नौकरशाहीकरण किया जाए। हमें न केवल गलत कदमों से बल्कि अन्य समाजों के अनुभवों से भी सीखना चाहिए। वह अनुभव जिसने उन्हें विकास के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों की भागीदारी के लिए स्थिरता, सुसंगतता और बेहतर रास्ते प्रदान किए हैं। इस संदर्भ में, पंचायतों और अन्य जमीनी स्तर की इकाइयों को अधिक शक्ति और संसाधन प्रदान करना आवश्यक है। इन सभी मुद्दों को संवैधानिक नैतिकता के हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए।

-हरि जयसिंह

नैतिकता, अपने शुद्ध रूप में, एक आत्म-केंद्रित आंतरिक अभ्यास है जो कानून प्रवर्तन एजेंसियों के दायरे में नहीं आता है। हालांकि, भारत के मुख्य न्यायाधीश (सी.जे.आई.) धनंजय वाई. चंद्रचूड़ संवैधानिक नैतिकता के प्रबल समर्थक हैं। उनका कहना है कि इस नैतिकता सिद्धांत को सिर्फ इसलिए खारिज नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि यह कभी-कभी मौजूदा सामाजिक प्रथाओं से भिन्न हो सकता है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा है ''कुछ संवैधानिक मूल्य सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत हैं और संविधान निर्माताओं ने जानबूझकर अन्य न्यायालयों से अपनाए गए प्रावधानों को शामिल किया और उन्हें भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप संशोधित किया।''

उन्होंने आगे कहा कि ''हमें यह समझना चाहिए कि संविधान ने स्वयं सामाजिक प्रथाओं में सुधार करने की मांग की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नागरिकों पर अन्य धर्म, जाति, जातीयता या अन्य सांस्कृतिक संगठनों का वर्चस्व न हो।'' भारत के मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट रूप से कहा है कि भारतीय संविधान में कई प्रावधान भारत के लिए अद्वितीय हैं, जैसे, अस्पृश्यता का उन्मूलन या राज्य नीति के प्रत्यक्ष सिद्धांतों (डी.पी.एस.पी.) की सामग्री। डी.पी.एस.पी. में सरकार पर मुफ्त कानूनी सहायता, पंचायतों के माध्यम से स्थानीय शासन और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए कानून बनाने का दायित्व शामिल है।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की टिप्पणियां वास्तव में उचित हैं : इस दृष्टि से देखा जाए तो संविधान भारतीय नागरिकों की भलाई के लिए एक मूल्यवान दस्तावेज है। साथ ही, यह एक विवर्तनिक बदलाव का प्रतीक है जो भारतीय सामाजिक प्रथाओं पर पुनर्विचार की मांग करता है। सी.जे.आई. ने कहा है कि ''सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने न्यायाधीशों की नियुक्ति के कारकों में से एक के रूप में 'विविधता' को स्पष्ट रूप से निर्धारित किया है।'' उन्होंने आगे कहा कि इसमें विभिन्न उच्च न्यायालयों से लिंग, जाति और क्षेत्रीय विविधता शामिल है। उन्होंने कहा कि हमने न्यायाधीशों की अखिल भारतीय वरिष्ठता की विविधता को संतुलित करने की कोशिश की है। न्यायालय भी संविधान में निर्धारित संस्थागत सीमाओं से बंधे हैं।

किसी राष्ट्र का भाग्य केवल उसके संविधान द्वारा निर्धारित नहीं होता : इस बात पर जोर देना आवश्यक है कि किसी राष्ट्र का भाग्य केवल उसके संविधान द्वारा निर्धारित नहीं होता है। हालांकि, एक गतिशील दस्तावेज के रूप में, संविधान न केवल लोकतांत्रिक मानदंडों को स्थापित करने की शक्ति रखता है, बल्कि राजनीतिक परिदृश्य के विकास को गहराई से संचालित करने की भी शक्ति रखता है। नए प्रावधानों को तैयार करने में, मौलिक सिद्धांतों और लक्ष्यों की फिर से जांच करना महत्वपूर्ण है।

भारत के संदर्भ में सत्तावादी प्रवृत्तियों को कम करने के लिए नियंत्रण और संतुलन के सिद्धांत को अपनाना अत्यावश्यक है। लोकतंत्र की गुणवत्ता और जन प्रतिनिधियों की क्षमता दोनों को बढ़ाने के लिए पार्टी प्रणाली और विधायिकाओं में सुधार करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

सांसदों और विधायकों की गुणवत्ता में संभवतः चुनावों के वित्तपोषण और संदिग्ध निष्ठा वाले व्यक्तियों और आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों के लिए विधायी कक्षों के दरवाजे बंद करने से सुधार किया जा सकता है। स्थानीय निकायों के लिए चुनाव लडने् वालों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता तय करना भी अनिवार्य है क्योंकि, सरकारी कामकाज की क्षमता मूलतः प्रबुद्ध विधायकों पर निर्भर करती है। यहां मैं बी.के. नेहरू के व्यापक उद्देश्यों के साथ चलना चाहूंगा जैसा कि उन्होंने एक बार बताया था। उद्देश्यों के बीच, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्थानीय समस्याओं को स्थानीय स्तर पर ही निपटाया जाना चाहिए और स्थानीय विकास राज्य विधानसभाओं या यहां तक कि संसद की इच्छाओं के अनुसार नहीं होना चाहिए, बल्कि इलाके के लोगों की इच्छाओं के अनुसार होना चाहिए।

हमें उन संवैधानिक प्रावधानों को त्यागने पर विचार करना चाहिए जो जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत नहीं करते हैं। यह भी आवश्यक है कि सामाजिक-आर्थिक इंजीनियरिंग और विकास की प्रक्रिया का विकेंद्रीकरण और नौकरशाहीकरण किया जाए। हमें न केवल गलत कदमों से बल्कि अन्य समाजों के अनुभवों से भी सीखना चाहिए। वह अनुभव जिसने उन्हें विकास के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों की भागीदारी के लिए स्थिरता, सुसंगतता और बेहतर रास्ते प्रदान किए हैं। इस संदर्भ में, पंचायतों और अन्य जमीनी स्तर की इकाइयों को अधिक शक्ति और संसाधन प्रदान करना आवश्यक है। इन सभी मुद्दों को संवैधानिक नैतिकता के हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए। मैं डा. बी.आर. अम्बेदकर के एक सशक्त उद्धरण के साथ अपनी बात समाप्त करना चाहूंगा। 4 नवंबर, 1948 को संविधान सभा में संविधान के मसौदे की आलोचना को संबोधित करते हुए डा. अंबेदकर ने कुछ इस तरह कहा -

''संवैधानिक नैतिकता अंतर्निहित नहीं है; इसे विकसित करने की आवश्यकता है। हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि हमारे लोगों ने अभी तक इसे पूरी तरह से स्वीकार नहीं किया है। भारत में लोकतंत्र मौलिक रूप से अलोकतांत्रिक भारतीय मिट्टी के ऊपर एक आवरण के समान है।'' यह भावना गहराई से प्रतिध्वनित होती है, जो संवैधानिक मूल्यों के पोषण और भारत के जटिल लोकतांत्रिक परिदृश्य को स्वीकार करने की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

आज का कार्टून

राशिफल

मेष
कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता का अनुभव होगा। जॉब की समस्या आज दूर होगी। उच्चाधिकारियों से ज्यादा बहस न करें।

वृषभ
आज किसी काम में मन नहीं लगेगा। किसी नये काम की प्लानिंग कर सकते हैं। आपके साथियों के बीच आपसी तनाव हो सकता है।

मिथुन
कार्यशैली में सुधार लाने का प्रयास करेंगे। सन्तान के भविष्य की चिन्ता दूर होगी। धन के लेन-देन में आपको सावधानी रखनी चाहिये।

कर्क
दाम्पत्य समस्याओं का समाधान होने की सम्भावना बन रही है। कानूनी मामलों को आसानी से सुलझा लेंगे। नया स्टार्टअप प्लान करने का विचार बना सकते हैं।

सिंह
कारोबार में आपको थोड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। किसी मित्र और रिश्तेदार की आपको मदद करनी पड़ सकती है।

कन्या
व्यर्थ के झगड़ों के कारण आपका व्यवहार खराब हो सकता है। तन्त्र-मन्त्र और गुप्त साधनाओं के प्रति आपकी रुचि जागृत हो सकती है।

तुला
बैंकिंग और मैनेजमेन्ट से जुड़े लोगों के लिये दिन बहुत अच्छा है। सोशल मीडिया में आपके नये मित्र बन सकते हैं। व्यवसाय को लेकर यात्रा कर सकते हैं।

वृश्चिक
भविष्य को लेकर योजना बना सकते हैं। बच्चे पढ़ाई में काफी बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। आवश्यक कार्यों को समय पर पूरा कर लेंगे।

धनु
आज आप काफी प्रसन्नता महसूस करेंगे। सम्पत्ति विवादों का निपटारा होगा। जॉब को लेकर परेशानी दूर होगी। ऑनलाइन कारोबार से लाभ होगा। शोध कार्यों से जुड़े लोगों को सफलता मिल सकती है।

मकर
प्रियजनों से अपने मन की बातें शेयर करेंगे लेकिन शायद वे आपकी भावनाओं को महत्व न दें। घर वालों के कारण आपको कुछ अनावश्यक खर्च करने पड़ सकते हैं।

कुंभ
अपने लक्ष्यों के प्रति काफी गम्भीर रहेंगे। परिजनों के साथ आप महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर सकते हैं। आय के नये स्रोत विकसित हो सकते हैं।

मीन
कार्यक्षेत्र में आपको बहुत ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। आवश्यक वस्तुओं को खरीदने के लिये बाजार जा सकते हैं। नकारात्मक लोगों की संगत आपको बचना चाहिये।

आर एन आई (टी सी) नं- JHAHIN01027,स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ सिकन्दर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखण्ड देखो कार्यालय मजिस्ट्रेट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित,
प्रधान संपादक डॉ सिकन्दर कुमार, मोबाइल नं-9955599136(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

इस बॉलीवुड एक्ट्रेस को ऑफर हुई थी एनमिल, किया इंकार तो हुई रश्मिका मंदाना की एंट्री

मुंबई। यह साल भारतीय फिल्मों के बेहतरीन सालों में रहा है और कई ब्लॉकबस्टर फिल्में सिनेमाघरों में आई हैं। अब सिनेप्रेमी कुछ और बड़ी फिल्मों का भी इंतजार कर रहे हैं, जो 2023 के अंत तक रिलीज होने वाली हैं।इन्हीं में से एक है निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल। फिल्म रिलीज से पहले ही चर्चा में है और इसका ट्रेलर रिलीज होने के बाद इसके छोटे-छोटे क्लिप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हैं। रणबीर कपूर के साथ रश्मिका मंदाना को भी दर्शक पसंद कर रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रणबीर की हीरोइन के रूप में डायरेक्टर की पहली पसंद परिणीति चोपड़ा थीं! खुद परिणीति मीडिया में कह चुकी हैं कि निर्माताओं ने वास्तव में रश्मिका से पहले फिल्म के लिए उनसे संपर्क किया था।उन्होंने स्वीकार किया था कि वह निर्माता की पहली पसंद थीं लेकिन निर्देशक इम्तियाज अली के अगले प्रोजेक्ट, अमर सिंह चमकीला के कारण उन्होंने एनिमल छोड़ दी। हालांकि परिणीति ने यह कहकर चौंका दिया था कि उन्हें लगता है कि ऐसे रोल चुनना बेहतर होता है, जो कलात्मक संवेदनाओं के अनुरूप हों। परिणीति ने हाल में राजनेता राघव चड्ढा से शादी की है और वह लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। जहां तक फिल्मी करियर की बात है तो लंबे समय से परिणीति के हिस्से में कोई बड़ी या चर्चित फिल्म नहीं आई है।

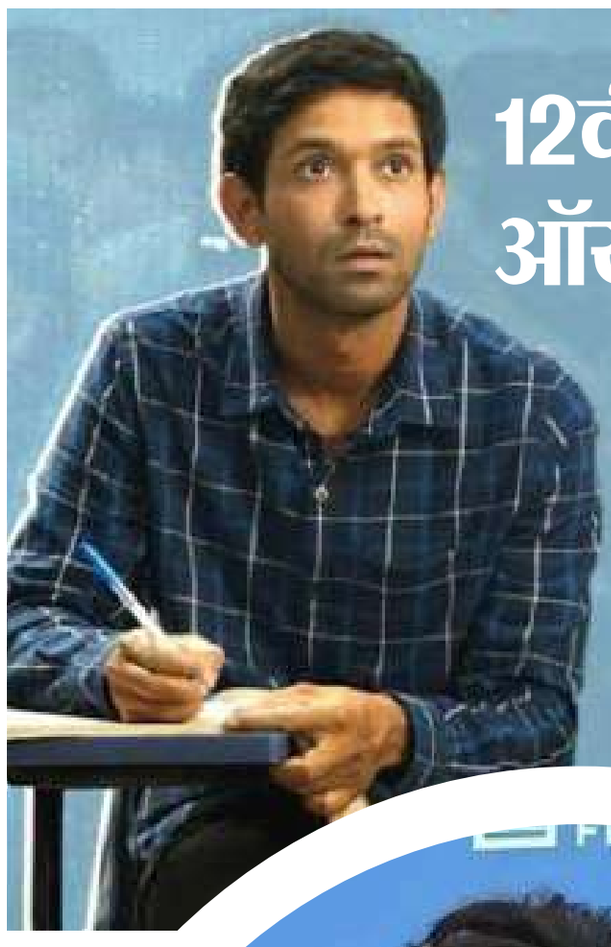

12वीं फेल ने बनाया एक और रिकॉर्ड, ऑस्कर पहुंची विक्रांत मैसी की फिल्म

मुंबई।

विक्रांत मैसी की ब्लॉकबस्टर फिल्म '12वीं फेल' ने बॉक्स ऑफिस पर अब तक खूब धमाल मचाया है। छोटे बजट में बनी इस फिल्म को टिकट विंडो पर उम्मीद से भी बेहतर रिस्पांस मिला है। बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के बाद इस मूवी ने नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। फिल्म की सफलता का राज इसी से पता लगाया जा सकता है कि न सिर्फ इंडिया में, बल्कि विदेश में भी '12वीं फेल' की स्टोरी का जादू चला है। यही वजह है कि इस मूवी को अगले साल के ऑस्कर अवार्ड के लिए भेजा गया है। विक्रांत मैसी ने इस बात को कंफर्म किया कि '12वीं फेल' को इंडिपेंडेंट नॉमिनेशन में 96वें ऑस्कर अवाड्र्स के लिए भेजा गया है।विक्रांत मैसी ने टेलीविजन से अपना करियर स्टार्ट किया था। इसके बाद धीरे-धीरे उन्होंने ओट की दुनिया में अपने पांव जमाए और अब वह फिल्मी दुनिया में भी राज करने के लिए तैयार हैं।
आईपीएस मनोज कुमार शर्मा पर आधारित उनकी फिल्म '12वीं फेल' ने वर्ल्डवाइड 53 करोड़ और डोमेस्टिक कलेक्शन में 45 करोड़ की कमाई कर ली

रणबीर कपूर की 'एनिमल' ने रिलीज से पहले रचा इतिहास,

मुंबई।

रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल 1 दिसंबर को रिलीज होने वाली है। फिल्म का हाल ही में ट्रेलर आ गया है। एनिमल के ट्रेलर को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं, यहां तक की रणबीर कपूर की पत्नी आलिया भट्ट ने तो 7000 बार ट्रेलर देखा है। अब एनिमल के ट्रेलर ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है जो अभी तक शाहरुख खान और सलमान खान की फिल्में नहीं कर पाई वो रणबीर कपूर की फिल्म ने रिलीज से पहले ही कर दिया है और इतिहास रच दिया है। कबीर सिंह के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'एनिमल' में रणबीर कपूर पहली बार एक गैंगस्टर का रोल करेंगे। रणबीर का ये रोल उनके फैंस को काफी पसंद आ रहा है साथ में बॉबी देओल के लुक के फैंस दीवाने हो रहे हैं जैसे ही एनिमल फिल्म का ट्रेलर आया तो रणबीर कपूर ने यूट्यूब पर वो रिकॉर्ड बना दिया, जो शाह रुख खान की 'जवान' और सलमान खान की 'टाइगर 3' नहीं बना सकी। इस फिल्म के ट्रेलर को यूट्यूब पर बार-बार देखा जा रहा है। 1 दिन पहले यानी कि गुरुवार को रिलीज हुए इस ट्रेलर को अब तक 54 मिलियन के आसपास व्यूज मिल चुके हैं और ये ट्रेलर सोशल मीडिया पर नंबर 1 पर ट्रेंड कर रहा है।

कुछ इस अंदाज में स्पॉट हुईं अनन्या पांडे

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे फिल्मों के साथ साथ अपनी फिटनेस को लेकर भी खूब चर्चा में रहती हैंभ एक्ट्रसे को कई बार जिम जाते हुए स्पॉट किया जा चुका हैं। सोशल मीडिया पर इसकी कई सारी तस्वीरें सामने आई हैं, जहां एक्ट्रेस का वर्कआउट लुक छाया हुआ है। इस तस्वीरों में अनन्या ऑल ब्लैक लुक में नजर आ रही हैं. वहीं एक्ट्रेस ने अपने इस आउटफिट के साथ मैंचिल चप्पल भी पहना है। वहीं एक्ट्रेस का ये कूल लुक फैंस को खूब पसंद आ रहा है। सोशल मीडिया पर उनकी ये तस्वीरें खूब वायरल हो रही हैं।अनन्या अपने लव लाइफ को लेकर खूब चर्चा में बनी हुई हैं। खबरें हैं कि अनन्या बॉलीवुड एक्टर अदित्य रॉय कपूर को डेट कर रही हैं। दोनों को कई मौकों पर एक साथ स्पॉट किया जा चुका है।

जैकलीन फर्नांडीज को मिला पुरस्कार

मुंबई।

बॉलीवुड दिवा जैकलीन फर्नांडीज के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। हाल ही में उन्हें डिस्टिक्टिव इंटरनेशनल अरब फेस्टिवल अवाड्र्स के सातवें संस्करण में विशिष्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में असाधारण योगदान के लिए मिला है। इस अवॉर्ड शो के दौरान एक्ट्रेस तुर्की एक्टर बुरक डेनिज़ के साथ भी पोज देती नजर आईं। यह तस्वीरें हसीना ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं। अवॉर्ड से सम्मानित होने के बाद जैकलीन काफी खुश दिख रही हैं और अवॉर्ड के साथ खूब पोज दे रही हैं। एक तस्वीर में वह बुरक डेनिज़ के साथ भी हैप्पी पोज दे रही हैं। फैंस जैकलीन की इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं और इस अचीवमेंट पर उन्हें बधाई भी दे रहे हैं।काम की बात करें तो जैकलीन फर्नांडिस जल्द ही फिल्म क्रैक, फतेह और वेलकम टू द जंगल में नजर आएंगी।

नए सेल्स नहीं बनने देती

रेडियेशन थेरेपी

रेडियेशन थेरेपी कैंसर की चिकित्सा का एक तरीका है जिसमें आयोनाइजिंग रेडियेशन नामक कणों का इस्तेमाल कैंसर के सेल्स को क्षति पहुंचाने के लिए होता है।

आयोनाइजिंग रेडियेशन कैंसर के सेल्स पर प्रहार करती है और उसके आनुवांशिक तत्व को नुकसान पहुंचा कर नए सेल्स को बनने नहीं देती । रेडियेशन थेरेपी के दौरान कैंसर के सेल्स के आसपास के सामान्य सेल्स को भी क्षति पहुंचती है लेकिन यह समय के साथ ठीक हो जाते हैं। रेडियेशन थेरेपी बाह्य रूप से एक्स रे बीम्स के रूप में गामा रेज या सब एटामिक पार्टिकल्स के रूप में दी जाती है। बाह्य रूप से रेडियेशन देने की प्रक्रिया में 5 से 15 मिनट लगते हैं और इसमें दर्द नहीं होता।

कुछ नए तरीके

चिकित्सा कितनी बार दी जानी है यह हर व्यक्ति के लिए अलग अलग होता है। कुछ स्थितियों में चिकित्सा में कई हफ्ते लग जाते हैं। आंतरिक रूप से भी रेडियेशन दिया जाता है। ऐसे में रेडियोऐक्टिव पदार्थों को शरीर की कैविटी के रख दिया जाता है या फिर ट्यूमर के सेल्स के अन्दर रखा जाता है। रेडियेशन थेरेपी के प्रभाव को बढ़ाने के लिए अपनाये जाने वाले कुछ नए तरीके हैं –

- कनफार्मल बीम तकनीक : कई बीम से एक ही समय रेडियेशन भी ली जा सकती है। ऐसा करने से रेडियेशन ट्यूमर के सेल्स पर एकत्रित हो जाता है और सामान्य टिश्यूज को कम प्रभावित करता है।
- इन्ट्राआपरेटिव रेडियेशन थेरेपी : सर्जरी के दौरान ट्यूमर पर रेडियेशन दी जाती है।
- रेडियेसेंसिटाइजर्स : यह ड्रग्स कैंसर के सेल्स पर रेडियेशन के प्रभाव को बढ़ाते हैं।
- रेडियोप्रोटेक्टर्स : यह ड्रग्स सामान्य सेल्स को रेडियेशन के द्वारा हुई क्षति से बचाते हैं जबकि आसपास के कैंसर के सेल्स क्षतिग्रस्त हो चुके होते हैं।
- रेडियोइम्यूनोथेरेपी : रेडियोएक्टिव पदार्थ एण्टीबाडीज से जुड़े होते हैं जो कि रक्षात्मक रासायन होते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा बनाये जाते हैं। यह एण्टीबाडीज कैंसर के सेल्स को प्रभावित करते हैं । हमारे शरीर के एण्टीबाडीज नान कैंसरस, स्वस्थ सेल्स को प्रभावित नहीं करते हैं इसलिए इससे ट्यूमर के बाहर रेडियेशन से होने वाली क्षति का खतरा कम होता है ।

रोग की चिकित्सा

बाह्य / एक्सटर्नल रेडियेशन थेरेपी शुरू करने से पहले रेडियेशन विशेषज्ञ चिकित्सा की योजना बनाता है। वह यह भी निर्धारित करता है कि मरीज़ को किस प्रकार की रेडियेशन और कितने सेशन देने हैं । आप शुरूआती सेशन में भाग ले सकते हैं। चिकित्सक सबसे पहले उस जगह पर निशान बनाता है जहां पर कि रेडियेशन चिकित्सा देनी होती है।

चिकित्सकीय क्षेत्र पर निशान अंकित करने के लिए आजकल छोटे गोल्ड सीड्स का इस्तेमाल किया जाता है जिन्हें कि फिड्यूकल्स कहते हैं। एक चिकित्सकीय सेशन से दूसरे चिकित्सकीय सेशन में जाने के लिए ट्यूमर पर रेडियेशन की बीम देने पर ज्यादा सावधानी की आवश्यकता होती है। इससे रेडिसेशन के फैलने का खतरा और सामान्य सेल्स को क्षति पहुंचने का खतरा कम हो जाता है। चिकित्सा के दौरान मरीज को अस्पताल का गाउन पहनने की आवश्यकता होती है। रेडियेशन थेरेपी के कमरे में आपको या तो चिकित्सा की टेबल पर लेटना होता है या विशेष कुर्सी पर बैठना होता है। आपकी त्वचा पर बनाये निशान से चिकित्सक उस जगह को निर्धारित कर सकेगा जहां पर रेडियेशन देनी है और शरीर के दूसरे भागों पर किसी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ेगा ।थेरेपी लेने के दौरान आपका एक ही स्थिति में पड़े रहना जरूरी है। इसी कारण से आपके शरीर को एक सांचे में रखा जाता है। एक बार जबकि आप चिकित्सा के लिए तैयार हो जाते हैं तो रेडियेशन आनकोलाजिस्ट कमरे से बाहर निकलकर पास के कंट्रोल रूम में चला जाता है । यहां से चिकित्सक ट्रीटमेंट मशीन का प्रयोग कर एक खास खिड़की से आपकी निगरानी करता है। रेडियेशन थेरेपी के दौरान आप चिकित्सकीय मशीन की आवाज़ सुन सकते हैं और यह मशीन आपके इर्द गिर्द घूमती है । यह चिकित्सा 1 से 5 मिनट तक होती है और इसमें किसी प्रकार का दर्द भी नहीं होता । ट्रीटमेंट के कमरे में आपको 5 से 15 मिनट तक का समय लगता है । सामान्यत: यह चिकित्सा एक हफ्ते से कई हफ्तों तक की जाती है । अगर आप आंतरिक रेडियेशन थेरेपी करा रहे हैं तो आपकी चिकितसा थोड़ा अलग तरीके से होती है ।

ब्रैकी थेरेपी

एक तरीका है ब्रैकीथेरेपी जिसे कि इन्टरस्टीशियल रेडियेशन थेरेपी भी कहते हैं । अगर आप यह प्रक्रिया करा रहे हैं तो आपको एनेस्थीसिया दिया जाता है तारों में मौजूद रेडियोएक्टिव पदार्थ या छोटे ट्यूब में पड़ा रेडियोएक्टिव पदार्थ मरीज के शरीर में ट्यूमर के स्थान पर सीधा आरोपित कर दिया जाता है। यह रेडियोएक्टिव आरोपण शरीर के अंदर रहता है या इसे कुछ समय बाद शरीर से निकाल दिया जाता है और यह बात भी कैंसर के प्रकार पर निर्भर करती है।

दूसरी प्रक्रिया जिसे कि इन्ट्राकैविटरी थेरेपी कहते हैं इसमें आपको जनरल या लोकल एनेस्थेटिक दिया जाता है और रेडियोएक्टिव पदार्थ को सीधा शरीर की कैविटी में आरोपित कर दिया जाता है। बाद में इसे निकाल भी दिया जाता है। पुराने समय से आज तक दोनों ही प्रकार की रेडियेशन थेरेपी में बदलाव आये हैं। जैसे कि रेडियेशन का स्रोत प्रोटोन भी हो सकते हैं। इस तकनीक में रेडियेशन बीम को सीधा मरीज पर केंद्रित किया जाता है। इससे अधिक मात्रा में रेडियेशन टिश्यूज तक पहुंच जाती है और यह सामान्य सेल्स को कम नुकसान पहुंचाती है ।

वितरण की नयी तकनीक को देखते हुए एक्स रे इमेजिंग तकनीक का प्रयोग भी विस्तार से हो रहा है । ऐसे दो तरीके हैं–

- थ्री डाइमेंशनल कनफार्मल रेडियेशन और इन्टेंसिटी माडूलेटेड रेडियेशन : इसका ध्येय है ट्यूमर सेल्स में रेडियेशन की सही मात्रा देना जिससे कि सामान्य सेल्स को किसी प्रकार की क्षति ना पहुंचे ।
- साइबरनाइफ थेरेपी अधिक मात्रा में रेडियेशन थेरेपी देती है और इसे छोटे अंतराल पर देना होता है। ऐसे में बहुत ही सटीक मात्रा में रेडियेशन की डोज देनी होती है। कुछ स्थितियों में रेडियेशन चिकित्सा में कुछ हफ्ते लग जाते हैं और बीमारी ठीक हो जाती है।

बीमारी का पूर्वानुमान

चिकित्सक कुछ शरीरिक जांच, स्कैन, एक्स रे, रक्त जांच करके रेडियेशन थेरेपी का पता लगाने की कोशिश करेंगे । आपके निश्चित प्रकार की फोलो अप और जांच से यह पता चलेगा कि रेडियेशन थेरेपी की आवश्यकता है या नहीं । इस जांच से ट्यूमर की स्थिति का पता चलेगा और यह भी पता चलेगा कि कैंसर कितना फैल चुका है।

रेडियेशन थेरेपी के बहुत से दूसरे अतिरिक्त प्रभाव हैं जो कि शरीर के उस क्षेत्र पर निर्भर करते हैं जिनकी चिकित्सा की जानी है। रेडियेशन थेरेपी के प्रभाव कुछ इस प्रकार से हो सकते हैं जैसे कि थकान होना, बालों का झड़ना, त्वचा के रंग में परिवर्तन, भूख ना लगना, उलटियां आना, इन्फर्टिलिटी, स्टेरिलिटी, वैजाइनल ड्राइनेस। रेडियेशन थेरेपी से दूसरे प्रकार के कैंसर का भी डर रहता है।

पथरी के दर्द से राहत दिलाएं यें नुस्खे

पथरी हमारे शरीर में खुद ही बननी शुरू हो जाती है, इसके बनने में उम्र की सीमा नहीं होती ।पहले जब ये छोटे–छोटे कंकर के रूप में फिर जब यें बड़ी हो जाती है ,इसके दर्द को बर्दाशत करना बहुत मुश्किल हो जाता है। पथरी हमारे शरीर में खुद ही बननी शुरू हो जाती है जैसे पित्त की पथरी,गुर्दे की पथरी और भी किसी भी जगह यें आकार में पहले छोटी बाद मे आकार मे बढ़नी शुरू हो जाती है। कुछ घरेलु नुस्खों की सहायता से आप इस पथरी के दर्द से राहत पा सकते है।

- पथरी होने पर नारियल का पानी पीना लाभदायक होता है।
- आंवले का चूर्ण तैयार करके मूली के साथ सेवन करने से पथरी से राहत पाई जा सकती है।
- जीरे और चीनी को अच्छी तरह पीसकर इस मिश्रण का सेवन ठंडे पानी से करने से पथरी से राहत पाई जा सकती है।
- आम के पत्तों को सुखाकर उनको अच्छी तरह पीसकर रोज इनका सेवन करने से लाभ मिलता है।
- पथरी होने पर चाय,कॉफी का सेवन अधिक नहीं करना चाहिए दर्द ज्यादा होने लगता है।
- तुलसी के बीज और दूध का सेवन करने से पथरी से राहत पाई जा सकती है।
- तुलसी के पत्तों को रोजाना चबाने से इससे राहत पाई जा सकती है।
- प्याज का सेवन करने से गुर्दे की पथरी से राहत मिलती है और हो सके तो प्याज के ताजा रस का सेवन करना गुर्दे की पथरी के लिए बहुत लाभदायक साबित हुआ है।
- अंगूर का सेवन करने से गुर्दे की पथरी से निजात पाई जा सकती है।

ऐसा–वेसा मत समझना बड़े काम का है ये

टमाटर

जो व्यक्ति सप्ताह में दस से ज्यादा टमाटर खाता है उसे प्रोस्टेट कैंसर होने का खतरा 18 प्रतिशत कम रहता है। यह जानकारी एक अनुसंधान में सामने आई है। इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए ब्रिस्टोल विश्वविद्यालय और आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित 50 और 69 वर्ष की उम्र के 1,806 लोगों की खुराक और जीवनशैली पर ध्यान दिया और उसकी 12005 कैंसर मुक्त लोगों के साथ तुलना की।

अध्ययन में प्रोस्टेट कैंसर की 'आहारीय तालिका' विकसित की जिसमें आहारीय अवयवों सेलेनियम, कैलसियम और वैसे खाद्य पदार्थ जिसमें लाइकोपिन की प्रचुरता होती है, शामिल किया गया। यह पाया गया कि जिन लोगों ने इन तीन आहारीय अवयवों को खाने में शामिल किया उनमें प्रोस्टेट कैंसर की आशंका कम पाई गई। टमाटर और उसके उत्पाद जैसे टमाटर का जूस और पकाए हुए बीन सबसे ज्यादा गुणकारी पाए गए। 10 भाग से ज्यादा खाने वाले पुरुषों में बीमारी होने का खतरा 18 प्रतिशत कम पाया गया।

आपके फेफड़े के लिए गुड है Good Cholesterol

हालिया अध्ययन में यह बात सामने आई है कि फेफड़े के उच्च रक्तचाप के इलाज में गुड कोलेस्ट्रॉल यानी उच्च घनत्व वाले लिपोप्रोटीन (एचडीएल) कारगर भूमिका निभाते हैं। चूहों पर किए गए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने खुलासा किया कि गुड कोलेस्ट्रॉल फेफड़े के रक्तचाप के दौरान शरीर में

ऑक्सीकृत लिपिड के उत्पादन को कम करता है। साथ ही यह भी पाया गया कि ऑक्सीकृत लिपिड के कम बनने से फेफड़े और दिल की कार्यशैली में सुधार होता है।

लॉस एंजेलिस के कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय के डेविड गेफेन स्कूल ऑफ मेडिसिन में ज्ञानेन्द्रिय विज्ञान के प्रोफेसर डॉ.मंसोर एगबाली ने कहा, ''एचडीएल कोलेस्ट्रॉल ऑक्सीकृत लिपिड की मात्रा कम करने में सहायक है, इससे इलाज के विकास में मदद मिलेगी।'' उल्लेखनीय है कि फेफड़े का उच्च रक्तचाप एक गंभीर बीमारी है, जिसमें रोगी के फेफड़े की विभिन्य रक्त नलियां संकरी हो जाती है, जिसके कारण रक्तचाप बढ़ जाता है।

मोटापा और मद्यपान से गंभीर बीमारी का खतरा

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अपने ताजा शोध में कहा है कि 75 साल की उम्र होने तक औसत यूरोपीय महिलाओं की तुलना में ब्रिटिश महिलाओं में कैंसर की बीमारी विकसित होने का ज्यादा खतरा होता है। स्काई न्यूज के अनुसार एक औसत के मुताबिक यूरोप में 75 साल की उम्र तक पहुंचने वाली प्रत्येक पांचवी महिला कैंसर से पीड़ित हो जाएंगी। दूसरी ओर ब्रिटेन में करीब एक चौथाई महिलाएं कैंसर से पीड़ित होंगी। ऐसा इसलिए है कि ब्रिटेन में मोटापे और मद्यपान करने की दर बढ़ती जा रही है। वैसे शोधकर्ताओं का कहना है कि लोगों के कैंसर की बीमारी के चपेट में आने में आनुवांशिकी की एक बड़ी भूमिका होती है। उनका विश्वास है कि यदि लोग स्वास्थ्यवर्धक भोजन लें व व्यायाम करें तो सामान्य प्रकार के कैंसर की कई बीमारियों से बचा जा सकता है। शारीरिक रूप से सक्रिय रहने और स्वास्थ्यवर्धक शाकाहारी भोजन लेने, कम नमक खाने और लाल व प्रसंस्कृत मांस न लेने से कैंसर की बीमारियों में कमी आ सकती है। महिलाओं में स्तन कैंसर सबसे सामान्य है। विशेषज्ञों का कहना है कि जीवनशैली में बदलाव करके स्तन कैंसर के 10 में से करीब चार मामलों में जान बचाई जा सकती है। विश्व कैंसर अनुसंधान कोष (डब्ल्यूसीआरएफ) के रिचर्ड ईवान्स कहते हैं, एक देश के रूप में हम यूरोपीय औसत के मुकाबले कहीं ज्यादा मोटापाग्रस्त हो रहे हैं और हम ज्यादा शराब पीते हैं। इसलिए इस तरह के परिणाम सामने आना कोई आश्चर्य नहीं है। ब्रिटेन के कैंसर अनुसंधान केंद्र के प्रमुख पॉल मॉस का कहना है, जब खान–पान की बात आती है तो हम दिल की बीमारियों के विषय में ज्यादा सोचते हैं लेकिन कैंसर के खतरे के विषय में ज्यादा नहीं सोचते।

पैरों में होने वाली खुजली से राहत दिलवाएं कुछ घरेलु उपाय

खुजली हमारे शरीर के किसी भी भाग में हो परेशानी का कारण बन सकती है।यें किसी भी तरह की संक्रमण के कारण पैदा हो सकती है और हमारा सारा ध्यान इस खुजली में ही लगा रहता है। हम इस खुजली से राहत पाने के लिए कई यत्न करते है।कुछ घरेलु उपायों का प्रयोग करके पैरों की खुजली से राहत पाई जा सकती है।

- सबसे पहले पैरों की सफाई की तरफ विशेष ध्यान दें,पैरों को धोने के बाद जल्दी–जल्दी मोज़े नहीं पहनने चाहिए,पहले पैरों को अच्छी तरह सुखाकर फिर मोज़े पहनने चाहिए।इससे न तो पैरों में बदबू पैदा होगी और न ही पैरों में खुजली की समस्या पैदा होगी।
- पैरों को साफ करने के लिए एक टब में गुनगुने पानी में थोड़ा नमक डालकर पैरों को टब के बीच में रखें,फिर थोड़ी देर के बाद पैरों को निकालकर किसी कपड़े से अच्छी तरह साफ करने से खुजली की समस्या से राहत पाई जा सकती है।
- पैरों में खुजली होने पर सफेद सिरका प्रयोग करने से राहत पाई जा सकती है।
- पैरों को साफ करके उस पर एलोवेरा जैल का प्रयोग करने से खुजली से राहत पाई जा सकती है।
- रात को सोने से पहले रोज़ाना पैरों को अच्छी तरह साफ करके इस पर अच्छे मॉइस्चराइजर से मसाज़ करने से पैरों मे रूखापन खत्म हो जाता है और खुजली की समस्या से राहत मिलती है।
- टब में गुनगुना पानी लेकर उसमें नींबू का रस मिलाकर पैरों को पानी के बीच में रखने से पैरों की खुजली समाप्त हो जाती है।
- बेंकिग सोडा का पेस्ट तैयार करके अपने पैरों में लगाने से पैरों की खुजली से राहत पाई जा सकती है।
- नीम की पत्तियों को पानी में डालकर उस पानी में पैरों को थोड़ी देर रखने से खुजली समाप्त हो जाती है।